RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 259 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मुख्यमंत्री ने अभ्यार्थियों को वितरित किए 'नियुक्ति पत्र'

अब बिना सिफारिश के मिल रही नौकरी, नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में परीक्षा होने और नियुक्ति पत्र मिलने की प्रक्रिया में पूरा एक साल लग जाता था पर अब छह महीने में ही नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। पहले लोगों को नौकरी पाने के लिए सिफारिश लगानी पड़ती थी पर अब पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज लखनऊ के लोकभवन में 647 नवचयनित वन रक्षकों व वन्यजीव रक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम थोड़ी भी सावधानी बरत लें तो नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोई चेष्टा भी नहीं कर पाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने अनुचित साधनों के नियम प्रावधान आने का काम किया है। चाहे वह नकल माफिया हो या पेपर लीक जैसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए कानून लाए हैं। इस एक्ट के माध्यम से पेपर लीक करने वालों को एक करोड़ रुपए का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी।

हम लोगों ने परीक्षा पर निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इंतजाम किया है। परीक्षा के प्रदेश में जितने भी सेंटर हैं या फिर बनते हैं वहां बैठने वाले अभ्यर्थियों को हम लखनऊ में बैठ करके स्क्रीन पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से मॉनिटर कर सकते हैं। अभी हमने हाल ही में 60 हजार पुलिसकर्मियों को भर्ती करने की प्रक्रिया पूरी की है।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामला

अदालत में सीजेआई ने वकील की लगाई क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस की सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ गुस्सा हो गए और भरी अदालत में एक वकील की क्लास लगा दी। हालांकि इस मामले में कोर्ट ने सीबीआई को नई स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने के लिए अगली सुनवाई तक का समय दिया है। वहीं सीजेआई की बेंच ने सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता की पोस्टमार्टम के लिए जरूरी एक अहम दस्तावेज नहीं होने पर सोमवार को चिंता जताई और सीबीआई से इसकी जांच करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील लगातार तेज आवाज में अपनी दलीलें रख रहे थे। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि बात सुनिए, अपनी आवाज कम करिए, कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा है कि दंडात्मक तबादले नहीं किए जाएंगे। आप यहां पीठ को संबोधित करने आए हैं, न कि वीडियो स्ट्रीमिंग में शामिल लोगों को संबोधित करने के लिए है। सीजेआई ने कहा कि कपिल सिब्बल ने ऑन रिकॉर्ड यह सुनिश्चित किया है कि जो डॉक्टर काम पर वापस लौटते हैं, उनके खिलाफ दंडात्मक तबादलों सहित कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सीजेआई ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि डॉक्टर काम पर वापस लौटें, वे सेवा प्रदान करने की प्रणाली में हैं, हम सुविधाएं प्रदान करेंगे, लेकिन उन्हें पारस्परिक रूप से जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर काम पर वापस नहीं लौटते हैं तो हम सरकार को अनुशासनात्मक कार्रवाई करने से नहीं रोक सकते। वहीं सिब्बल ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीएम योगी आज नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का लेंगे जायजा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निर्माण प्रगति का जायजा लेंगे। सेमीकान 2024 का उद्घाटन करने 11 सितंबर को ग्रेटर नोएडा पहुंच रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम के मद्देनजर मुख्यमंत्री इंडिया एक्सपो मार्ट में भी तैयारी का निरीक्षण कर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के नोएडा एयरपोर्ट पर निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए यमुना प्राधिकरण के अधिकारी सोमवार को साइट पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने में दिन भर जुटे रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निर्माण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगाहें हैं। अगले साल अप्रैल में एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं की शुरुआत का दावा किया जा रहा है। एयरपोर्ट की निर्माण प्रगति का मुख्यमंत्री पहले भी जायजा ले चुके हैं। उन्होंने निर्माण कार्य समय से पूरा कराने के लिए कामगारों और मशीनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद कामगार (शेष पृष्ठ-3 पर)

जीजा ने साले पर किया जानलेवा हमला

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के अंतर्गत विक्रम एन्क्लेव में जीजा ने अपने दोस्त के साथ मिलकर साले पर जानलेवा हमला कर दिया। साले ने अपने जीजा की बहन से लव मैरिज की है। जीजा इस शादी से बेहद नाराज थे। नाराज जीजा ने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर साले पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के दौरान बहन बीच में आई तो उसे भी मारा-पीटा। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

चार मूर्ति चौक से ट्रैफिक जाम की समस्या होगी खत्म, बनेगा अंडरपास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सबसे व्यस्त चौराहे गौर चौक (चार मूर्ति चौक) को जाम से मुक्त करने के लिए अंडरपास के निर्माण में प्रक्रिया तेज हो गई है। अंडरपास के लिए गौर चौक के दो तरफ की सर्विस रोड से करीब 300 पेड़ों को स्थानांतरित किया जाएगा।

इस कार्य में दो महीने का समय लगेगा। गैस पाइपलाइन, बिजली, पानी पाइपलाइन का सर्वे हो गया है। करीब 12 विभागों की अनापत्ति

- दो तरफ की सर्विस रोड से स्थानांतरित किए जाएंगे पेड़
- अंडरपास निर्माण को 300 पेड़ होंगे स्थानांतरित

प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया जा चुकी है। प्राधिकरण के मुताबिक करीब दो से तीन माह में अंडरपास का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। करीब 93.61 करोड़ रुपये की (शेष पृष्ठ-3 पर)

मारपीट कर युवक की तोड़ी हड्डी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि चार लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि हिमांशु पुत्र दिनेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह करण एनक्लेव भारत धर्म कांटा बादलपुर में रहता है। पीड़ित के अनुसार वह सनी बिहार में रहने वाले मूलचंद के घर से अपने घर की तरफ जा रहा था, तभी जतन के ऑफिस के पास चार लड़कों ने उसे रोक लिया।

उन्होंने उसके साथ मारपीट करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर गगन, अमन सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में पीड़ित की हड्डी टूट गई है।

गोल्फ कोर्स परियोजना को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान!

फाइव स्टार रेटिंग दिलाने के लिए यीडा कर रहा काम

नोएडा (चेतना मंच)। गोल्फ कोर्स परियोजना को पूर्ण कर इसे फाइव स्टार रेटिंग दिलाने की योजना पर नोएडा प्राधिकरण ने काम शुरू कर दिया है। इसके लिए कुछ आंशिक बदलाव किया गया है, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके।

ऐसे में आंशिक बदलाव के कारण इस परियोजना का बजट बढ़ सकता है। पहले यह परियोजना डेढ़ सौ करोड़ में पूरी होनी थी। यह राशि लोगों को सदस्यता देने के बाद इकट्ठा की जानी थी, जिससे इसका निर्माण पूरा होना था लेकिन 1000 सदस्यता में ही कुछ विवाद उत्पन्न हो गया इस कारण इसका निर्माण उपयोग किया गया।

सदस्यता देने का काम भी बंद कर दिया गया करीब 6 माह से सदस्यता अभियान बंद है अब दोबारा शुरू होने की उम्मीद।

प्राधिकरण में निर्णय लिया है कि अब वह खुद इसका निर्माण पूरा कराएगी और सदस्यता अभियान से उसे रकम को अलग किया जाएगा।

वर्तमान में परियोजना पर 64 फीसद काम पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ खसरा नंबर दो की जमीन अधिग्रहण नहीं होने के कारण काम रुका हुआ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कार छुड़ाने के बाद युवक ने फिर बनाई रील, कार हुई सीज

नोएडा। सेक्टर-126 थाना क्षेत्र में रील बनाने पर 8 अगस्त को सीज हुई कार को न्यायालय के आदेश पर छुड़ाने के बाद युवक ने थाने में फिर से रील बना ली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी हुई। पुलिस कार फिर से सीज कर दी। अरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की।

वीडियो में दो युवक टशन में पैदल सेक्टर-126 थाने में घुसते दिख रहे हैं। एक नीले और दूसरे ने लाल रंग की टीशर्ट पहनी है। उनके पीछे तीसरा युवक दोनों का वीडियो बना रहा है। इस बीच थाने में खड़ी सीज कार दिखाई दे रही है। वह सीज कार के पास जाते हैं। कार पर बीएनएस की धारा लिखी हुई है। वीडियो के बैकग्राउंड में तेज धुन में हरियाणवी रैप सांग बज रहा है, जिसमें बीयर, कट्टा जैसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने जांच की। मामला सही पाए जाने पर कार फिर से सीज कर दी।

सेक्टरों में बढ़ रही बिजली खपत की डिमांड

नोएडा (चेतना मंच)। भीषण गर्मी में बिजली संकट से शहर जूझ चुका है। अगले वर्ष यहां 100 एमवीए की अतिरिक्त खपत और बढ़ेगी। विद्युत निगम ने तीन वर्ष पहले अलग-अलग क्षेत्र में 20-20 एमवीए के पांच उपकेंद्र बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव दिया।

प्राधिकरण ने प्रस्ताव को मंजूर किया। उपकेंद्र बनाने के लिए टेंडर में हो रही देरी से अगले वर्ष तक यहां से बिजली आपूर्ति की उम्मीद भी बेहद कम है। बता दें सेक्टर 78, 75, 121, 63 समेत पांच क्षेत्रों में अगले वर्ष तक बिजली की खपत और अधिक बढ़ने का अनुमान है।

विद्युत निगम यहां पर पहले ही रिपोर्ट तैयार कर चुका है। तीन वर्ष पहले इन क्षेत्रों में पांच उपकेंद्र बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण को कहा गया। प्राधिकरण ने इस प्रस्ताव को मंजूर तो किया, लेकिन उपकेंद्र बनाने के लिए टेंडर प्रकिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है।

गर्मी के दिनों में शहर के लोग ट्रिपिंग और घंटों की कटौती जैसी समस्या से जूझ चुके हैं। विद्युत निगम के आबादी के अनुसार खपत बढ़ने के आसारों को लेकर पहले ही उपकेंद्र बनाने के लिए प्राधिकरण को कहा लेकिन तीन वर्षों में यहां पर टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं होने उपकेंद्रों का कार्य अधूरा है।

गर्मी के मौसम में शहर में बिजली की खपत अचानक से बढ़ी। आपूर्ति करने में विद्युत निगम के हाथ पैर फूल गए। शहर के अधिकतर फीडर ओवरलोड रहे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

35 अवैध कॉलोनियों पर चलेगा बाबा का बुलडोजर!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कॉलोनी को पनपने से रोकने की जिम्मेदारी से यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने मुंह मोड़ लिया है। कॉलोनाइजर प्राधिकरण क्षेत्र में हावी हो चुकी हैं। अवैध कॉलोनी के खिलाफ अधिकारियों की हीला-हवाली इस हद तक है कि नगर पंचायत से नक्शा स्वीकृत कराकर अधिसूचित में काटी गई कॉलोनी को ध्वस्त तक नहीं किया गया।

कॉलोनाइजर ने कॉलोनी का गेट और दीवार का निर्माण कर अंदर प्लॉटिंग शुरू कर दी है। दनकौर नगर पंचायत ने अपनी सीमा को लांघते हुए यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में कॉलोनी के मानचित्र को स्वीकृति दी थी। इसके लिए (शेष पृष्ठ-3 पर)

कॉलोनाइजर के लगाया गेट, बना दी चारदीवारी

प्राधिकरण के अधिकारियों की शह के बाद कॉलोनाइजर के हौंसले बुलंद हो चुके हैं। पहले बनाए गए कंक्रीट पिलर पर कॉलोनाइजर ने लोहे के गेट लगा दिया है। चारदीवारी बना दी है। गेट के अंदर परिसर में पौधे लगा दिए गए हैं और प्लाटिंग की जा रही है।

चार माह बाद भी कार्रवाई न होने से सवालों के घेरे में

विभाग सीईओ के आदेश को चार माह बीतने के बावजूद अवैध कॉलोनी के खिलाफ प्राधिकरण का बुलडोजर न चलने से विभाग के अधिकारी सवालों के घेरे में हैं। अधिकारियों के इस रवैये के कारण अधिसूचित क्षेत्र के दूसरे इलाकों में भी बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हो रहा है।

अवैध कॉलोनी ध्वस्त करने का किया गया था चिह्नित

प्राधिकरण के लोकसभा चुनाव के दौरान अधिसूचित क्षेत्र में 35 अवैध कॉलोनी को चिह्नित किया था। दावा था कि लोकसभा चुनाव के बाद पुलिस बल उपलब्ध होते ही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर दौड़ने लगेगा, लेकिन लोकसभा चुनाव को संपन्न हुए कई माह बीतने के बावजूद अभी तक प्राधिकरण का बुलडोजर जस का तस खड़ा है।

'कांग्रेसी साजिश'

देश के प्रख्यात, चैम्पियन पहलवानों–बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट–ने अचानक ही कांग्रेस का 'हाथ' नहीं थामा है। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बेशक, उन्हें 'खलनायक' करार दें अथवा युवा–नाबालिग पहलवान बेटियों के यौन उत्पीडऩ के खिलाफ उनके आंदोलन को 'कांग्रेसी साजिश' कहें, लेकिन दोनों ही पहलवान, अपने–अपने वर्गों में, अद्वितीय रहे और उन्हें भारत की आन–बान–शान माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी स्तर पर उनसे मुलाकातें कीं और सहयोग का हर हाथ बढ़ाया। बेशक कांग्रेस के साथ जुडऩा और कांग्रेस की ही राजनीति करना विनेश और बजरंग का संवैधानिक अधिकार है। वे विधायक बनें, मंत्री बनें या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएं, लेकिन भारतीय कुश्ती को अभी उनकी जरूरत थी। उनमें 'पहलवानी' शेष थी। कुश्ती के प्रति ही जुड़ाव रहना चाहिए था। विनेश ने कहा भी था कि वह 32–33 साल की उम्र तक कुश्ती लडऩा चाहती हैं। अर्थात चार साल बाद का ओलंपिक उनके मानस में था। लिहाजा पाला बदल कर राजनीति में उतरना एक 'नैतिक विकृति' है। असंख्य चैम्पियन खिलाड़ी राजनीतिज्ञ बने हैं, लेकिन आज वे सिर्फ नेता हैं। उनका खिलाड़ी का चेहरा गायब हो चुका है। अतीत के इतिहास को कौन खंगालता है? बहरहाल जंतर–मंतर पर हमने चैम्पियन पहलवानों के आंदोलन को करीब से देखा है। बेशक उसे 'खिलाडिय़ों का आंदोलन' घोषित किया जाता रहा और वामपंथी नेता वृंदा करात को मंच से उतरने को बाध्य किया गया, लेकिन कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के साथ विनेश, साक्षी मलिक, बजरंग आदि इस तरह बतियाते नजर आए मानो सहेलियां गप्पें मार रही हों! आंदोलन के मंच तक राहुल गांधी और दीपेंद्र हुड्डा सरीखे कांग्रेसी सांसदों को प्रवेश क्यों दिया गया? क्या वे राजनेता नहीं थे। यकीनन कुछ 'खिचड़ी' तो पक रही थी! यदि सोच और विचारधारा के स्तर पर दोनों पहलवान 'कांग्रेसी' रहे हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह भी उनका मौलिक अधिकार है। देश में बीते 10 सालों से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार सक्रिय है, लिहाजा दोनों पहलवानों को वर्ल्ड चैम्पियनशिप, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शिरकत करने की अनुमति और आर्थिक मदद किसने दी थी? विनेश के लिए हंगरी के विश्व विख्यात कोच के साथ अनुबंध किसने किया था और करोड़ों की फीस अदा की गई? हम मानते हैं कि यह सरकार का दायित्व था, लेकिन यह दायित्व तो देश के 145 करोड़ भारतीयों और प्रत्येक खिलाड़ी के प्रति भी था। कितनों को इतनी प्राथमिकताएं दी गईं या मिल पाती हैं? बहरहाल कुश्ती को यहीं छोड़ते हैं, लेकिन आंदोलन तो अधर में लटक जाएगा। जिस आंदोलन की खातिर विनेश ने सडक़ पर, पुलिसियों द्वारा घसीटा जाना झेल लिया, सरकार के कथित अन्याय को बर्दाश्त किया, क्योंकि सरकार अपने सांसद को बचाती रही, हमें लगता है कि विनेश भी उस आंदोलन को कभी भूल नहीं पाएंगी। अभी तो बजरंग और विनेश नए–नए नेता बने हैं, लिहाजा लच्छेदार भाषा बोल रहे हैं कि वे हर पीड़ित, शोषित खिलाड़ी बेटी के संग खड़े रहेंगे। उनकी मदद करेंगे, लेकिन यह हकीकत नहीं होगी और कुछ ही महीनों में यथार्थ सामने होगा! अब अकेली साक्षी मलिक ने आंदोलन को जारी रखने का आश्वासन देश को दिया है। देखते हैं, वह कहां तक चल पाती हैं। राजनीति में आने का ऑफर तो उन्हें भी मिला था। उन्होंने स्वीकार नहीं किया और वह आंदोलन के संकल्प पर अडिग रहीं। साक्षी भी ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान रही हैं। विनेश को तो अभी यह जीत हासिल करनी है। उनके साथ जो भी हुआ, वह किसी और की गलती नहीं थी। ऐसी खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी को अपना वजन तय सीमा से कम ही रखना होता है। बहरहाल जो भी हुआ, वह भारत के लिए दुस्वप्न जैसा था। बहरहाल 'पहलवान से कांग्रेसी नेता' बने विनेश–बजरंग के खिलाफ भाजपा समेत कुछ दलों ने ओछी फिकरेबाजी शुरू भी कर दी है। यही हमारी राजनीति के भद्दे संस्कार हैं। बेशक दोनों ही अब तक 'देश के बेटा–बेटी' रहे हैं, लेकिन अब कांग्रेस तक सिमट कर रह जाएंगे, लेकिन वे इस मुगालते में मत रहें कि कांग्रेस ही महिला–बेटी सुरक्षा की सबसे बड़ी पैरोकार और संरक्षक रही है। एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि उसके नेता तो महिला को टुकड़ों में काट कर तंदूर के हवाले करने वाले रहे हैं। मौजूदा संदर्भ में प्रियंका चतुर्वेदी और राधिका खेड़ा की, कांग्रेस के भीतर, आपबीती को सुना या पढ़ा जा सकता है।

कंधार अपहरण के असहज सत्य और सबक

वास्तविक जीवन जैसी दिखने वाली वेब सीरीज के साथ समस्या यह है कि वह अपने साथ बहुत सी पुरानी यादें लेकर आती है। 'आईसी 814 ⁼ कंधार हाईजैक' नामक इस सीरीज के साथ मुश्किल यह हो रही है कि यह भारत को कमज़ोर दिखाती है ⁼ निशक्त, पस्त–अक्षम। नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मज़बूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है।

उस वक्त की कुछ झलकियां पेश हैं ⁼ अपहृत विमान में फंसे यात्रियों के परिवारों की मुश्किलें वाजपेयी सरकार की कमजोरी बन गई, जिनके सिर पर सरकार और अपहर्ताओं के बीच सौदा सिरे न चढ़ने पर हर किस्म के नुकसान का खतरा था। ब्रिटेन में पढ़ा और वहां के लहज़े में अंग्रेजी बोलने वाला उमर शेख जो कि भारत सरकार द्वारा रिहा किए गए तीन आतंकवादियों में से एक थाउससे जब कंधार में भारतीय खुफिया अधिकारी आनंद अर्नी ने पूछा कि आज़ाद होने का क्या अर्थ है, तो उसने जवाब में ढेरों अपशब्द बके। पाकिस्तान की आईएसआई, जिसका पूरी तरह नियंत्रण था, उसने समझौता वार्ता के दौरान भी बुनियादी शर्तों को बदलवाया 29 दिसंबर की शाम तक, सहमति केवल एक मसूद अज़हर को रिहा करने तक सीमित थी, लेकिन 30 दिसंबर की सुबह होते–होते अपहर्ता तीन आतंकवादियों को रिहा करने की मांग पर अड़ गए। यह वही था, जो होकर रहा।

कभी–कभी समस्या यह होती है कि लोग अतीत को वर्तमान के संदर्भ में देखने लगते हैं। उन्हें इस तथ्य से शर्मिंदगी महसूस होती है कि तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह भी उसी विमान से कंधार गए थे, जिसमें कुछ पीछे की सीटों पर रिहा किए जाने वाले तीनों आतंकवादी सवार थे, जो उन्हें सुनाने को जोर–जोर से अपशब्द बकते रहे। बहुत से लोगों का कहना है कि मंत्री को नहीं जाना चाहिए था, कई ने सवाल किया कि उन्होंने अपने पद की गरिमा क्यों गिराई? लेकिन 'द ट्रिब्यून' के अभिलेखागार में, उस वक्त में झांकने पर पता चलता है कि 1999 में भारत की स्थिति क्या थी। परमाणु परीक्षण हुए कोई एक साल गुजरा था और भारत अभी भी अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अभिशप्त–सा था और आगामी गर्मी में अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन का दौरा होना तय था। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध खत्म हुए बमुश्किल चंद महीने बीते थे। उस सप्ताह, जब अपहृत हुए विमान ने काठमांडू से अमृतसर होते हुए कंधार के लिए उड़ान भरी, जसवंत सिंह ने मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य जगहों पर अपने कई समकक्षों को संपर्क करने की कोशिश की– लेकिन किसी ने उनका फोन नहीं उठाया। यह सप्ताह नए साल की खुशियां मनाने का था। आप जब जश्न मनाने में व्यस्त हों, ऐसे में तीसरी दुनिया के देश का कोई परेशान आदमी आपको उस समय फोन करे, तो आप केवल यही सोच सकते हैं कि अपनी समस्याओं से वह खुद क्यों नहीं निबट लेता? यही चीज़ है जिससे असली कमजोरी झलकती है। भले ही आप मदद पाने के लिए कितने भी अधीर हों, लेकिन कोई आपका फोन नहीं उठाना चाहता।

'रॉ' के तत्कालीन प्रमुख एएस दुलत के अनुसार, जसवंत सिंह उस सप्ताह दिल्ली में 'अकेले पड़े एक आदमी' थे। उनको लगा कि यदि कोई वरिष्ठ व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से लेन–देन प्रक्रिया की देखरेख करने साथ नहीं गया, तो कहीं अंतिम समय में ऐसा कुछ न हो जिससे यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाए। सच तो यह है कि भारतीय वार्ताकार कंधार में कमजोर पड़े प्रतीत हुए क्योंकि उनके पास अपनी बात मनवाने की गुंजाइश बहुत कम या न के बराबर थी। विमान दुश्मन के इलाके में था। कठपुतलियों की डोर आईएसआई के हाथ में थी और सभी पत्ते भी उसके हाथ में थे।

नेटफ्लिक्स सीरीज़ उन सभी भारतीय दर्शकों को यह असहज सच्चाई स्वीकारने को मजबूर करती है कि हकीकत में हम वह राज्य नहीं हैं जोकि हम मानते रहे कि हम हैं। हम कमजोर थे, और शायद,अब भी हैं। वेब सीरीज़ ने हम सभी की इस रग को छूआ है कि जब रोशनी बुझ जाती है और हमारे समक्ष केवल हम ही होते हैं, तो क्या सच है और क्या नहीं, यह हमें पता होता है। हम जानते हैं कि हम उतने तगड़े नहीं हैं जितना खुद को मानते हैं।

कुछ लोग कह सकते हैं कि 25 साल का समय बहुत लंबा होता है और भारत काफी आगे निकल चुका है– वे पाकिस्तान के साथ वार्ता के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाए गए सख्त रुख को गिनाते हैं। कुछ अन्य लोगों का इशारा 2016 में अभूतपूर्व सर्जिकल स्ट्राइक की तरफ होगा, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की और पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ सफलतापूर्वक अभियान चलाये।

फिर भी, हम जानते हैं कि कमज़ोरी बनी हुई है, भीतर और बाहर। पिछले सप्ताह की शुरुआत में सिंगापुर में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीनियों पर कसे तंजों के बावजूद हकीकत यह है कि लद्दाख में चीनियों ने हमारे सैनिकों को उस बड़े हिस्से में गश्त करने से वर्जित कर रखा है, जहां पर वे साल 2020 तक गश्त कर सकते थे। जम्मू संभाग में भी, जहां पर आतंकवादियों ने सशस्त्र बलों के 18 कर्मियों पर हमला कर शहीद कर दिया। सिंधुदुर्ग में, जहां शिवाजी की एक मूर्ति अनावरण के कुछ ही महीनों में ढह गई, क्योंकि ठेकेदार ने घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया था। पंजाब में, जहां पर नशीली दवाओं की समस्या कल्पना से कहीं ज़्यादा बदतर है। मणिपुर में, जहां पर मैतेई कट्टरपंथी अपने साथी बाशिंदों मणिपुरियों पर ड्रोनों से हमले कर रहे हैं।

यह स्वीकार करने में कहीं अधिक भलाई है कि हम चीनियों के सामने नहीं ठहर सकते। कम–से–कम इस स्वीकारोक्ति में ईमानदारी तो होगी। वैसे भी आर्थिक रूप से वह हम से पांच गुणा बड़ा है। इसलिए इस विषय का सामना करते हुए खुद से सवाल करना बेहतर होगा कि हम चीनियों के सामने खड़े होने लायक क्यों नहीं हैं?

चीन की आर्थिकी भारतीय अर्थव्यवस्था से पांच गुणा बड़ी क्यों है, जबकि माओ के चलाए 'लॉन्ग मार्च' की बीजिंग में परिणति लगभग उसी समय (1949 में) थी, जब भारत स्वतंत्र हुआ था? इसका उत्तर हमेशा यह नहीं हो सकता कि चीन एक तानाशाही है और भारत एक लोकतंत्र है जिसमें अपनी पीठ थपथपाना शामिल है। इससे भी बदतर कुछ है। शिवाजी की मूर्ति बनाने वाले ठेकेदार को आखिरकार गिरफ्तार कर तो लिया गया है, लेकिन यह हमें मोदी के पुराने नारे की याद दिलाता है'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' यानी न कभी खुद भ्रष्टाचार करूंगा, न ही करने दूंगा। निश्चित रूप से देश में सभी खराब कामों के लिए प्रधानमंत्री जिम्मेदार नहीं हैं, तब भी नहीं जब उनकी पार्टी उस महाराष्ट्र में गठबंधन में हो, जहां पर यह अपराध हुआ है।

शायद यह स्वीकार करना कहीं बेहतर है कि आप उतने मजबूत नहीं हैं जितना आप होने का दिखावा करते हैं। न लद्दाख में, न सिंधुदुर्ग में या फिर,न ही कंधार में।

–ज्योति मल्होत्रा

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यही सोचकर मैं अपना अज्ञान प्रकट करता हूँ। हे नाथ! सेवक पर कृपा करके इस अज्ञान का नाश कीजिए। संतों, पुराणों और उपनिषदों ने राम नाम के असीम प्रभाव का गान किया है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

संतत जपत संभु अबिनासी। सिव भगवान ग्यान गुन रासी॥
आकर चारि जीव जग अहहीं। कासीं मरत परम पद लहहीं॥

कल्याण स्वरूप, ज्ञान और गुणों की राशि, अविनाशी भगवान शम्भु निरंतर राम नाम का जप करते रहते हैं। संसार में चार जाति के जीव हैं, काशी में मरने से सभी परम पद को प्राप्त करते हैं॥

सोपि राम महिमा मुनिराया। सिव उपदेसु करत करि दाया॥
रामु कवन प्रभु पूछउँ तोही। कहिअ बुझाइ कृपानिधि मोही॥

हे मुनिराज! वह भी राम (नाम) की ही महिमा है, क्योंकि शिवजी महाराज दया करके (काशी में मरने वाले जीव को) राम नाम का ही उपदेश करते हैं (इसी से उनको परम पद मिलता है)। हे प्रभो! मैं आपसे पूछता हूँ कि वे राम कौन हैं? हे कृपानिधान! मुझे समझाकर कहिए॥

एक राम अवधेस कुमारा। तिन्ह कर चरित बिदित संसारा॥
नारि बिरहँ दुखु लहेउ अपारा। भयउ रोषु रन रावनु मारा॥

एक राम तो अवध नरेश दशरथजी के कुमार हैं, उनका चरित्र सारा संसार जानता है। उन्होंने स्त्री के विरह में अपार दु:ख उठाया और क्रोध आने पर युद्ध में रावण को मार डाला॥

(क्रमश:..)

बुरे अतीत को भूल खुशियां-सफलता चुनिए

आज कम्प्यूटर, टैबलेट एवं मोबाइल पर अधिकांश लोग काम करते हैं। आप सभी ने इन उपकरणों पर टाइपिंग का कार्य करते हुए कई बार गलत शब्द भी लिख दिए होंगे। ऐसा करने पर गलत शब्द का चयन करके उस पर डिलीट बटन दबा दिया होगा। ऐसा करने से गलत शब्द स्क्रीन से हट गए होंगे। सोचिए कितना अच्छा होता यदि जीवन में भी एक ऐसा ही डिलीट बटन होता। उस डिलीट बटन का प्रयोग आप अपने जीवन में करते और हर बुरी घटना को डिलीट कर देते।

मनुष्य अपने बचपन में अक्सर ऐसा परिवेश देखता है जहां पर लोग चिंता एवं तनावग्रस्त रहते हैं। वे सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि से भरपूर क्षणों को जीने के बजाय उन्हें उस चीज़ की चिंता करने में व्यय कर देते हैं जो अनिश्चित हैं। चिंता और चिता में सिर्फ एक बिंदु का अंतर है, उसी तरह वास्तविक जीवन में भी चिंता करने वाले व्यक्ति की चिता बनते देर नहीं लगती। चार्ल्स एच. मेयो का तो इस संदर्भ में यह कहना है कि, 'मुझे आज तक एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जो काम की अति से मरा हो, अलबत्ता कई लोग चिंता की वजह से जरूर मरे हैं।' मनुष्य के जीवन की सबसे खूबसूरत बात यह है कि वह विश्व में फैले ज्ञान को जानकर स्वयं को सुधार सकता है। इसी तरह वह अपने जीवन से चिंताओं, मुसीबतों के जाल को भी काट कर फेंक सकता है।

अब आप यह सोच रहे होंगे कि आखिर चिंताओं और मुसीबतों को डिलीट करने के लिए क्या करना होगा? इसके लिए आपको कुछ खास नहीं करना है, केवल 'कोनमारी विधि' को जानना एवं समझना है। यह कोनमारी विधि आपको मैरी कोंडो की पुस्तक, 'द लाइफ–चेंजिंग मैजिक ऑफ डाइटिंग अप' में मिल जाएगी। यदि आप पुस्तक तक नहीं पहुंच सकते तो कोई बात नहीं, इस लेख के माध्यम से आप 'कोनमारी विधि' को बड़ी ही सरलता से जान जाएंगे। 'कोनमारी विधि' कहती है कि जीवन से आप हर उस चीज को निकाल दीजिए, जो व्यर्थ है, आपके काम की नहीं है या फिर सिर्फ आपको दु:ख एवं तनाव देती है। अब बात आती है कि कौन सी व्यर्थ चीजों को जीवन से निकाला जाए। ये व्यर्थ चीजें निम्न प्रकार से हो सकती हैं :–

आपके जीवन में घटित कोई बुरी घटना या याद, पारिवारिक झगड़े, आपके घर में अव्यवस्थित या फालतू का सामान, बेवजह के अर्थहीन संबंध अथवा किसी प्रियजन का बिछुड़ जाना। उपरोक्त पांचों बातों के बारे में आप गंभीरता से विचार करेंगे तो

यह स्वयं जान जाएंगे कि वाकई प्रयोग में न आने वाली वस्तुएं, अर्थहीन संबंध, बुरी यादें, प्रियजन का असमय बिछुड़ जाना, अव्यवस्थित सामान और झगड़े न केवल हमारे मस्तिष्क को कुंठाग्रस्त कर देते हैं, अपितु हमारा सुख–चैन भी छीन लेते हैं। एक ऐसा बड़ा घर जो ढेर सारे अव्यवस्थित सामान से भरा हो, सुकून के पल नहीं दे सकता। वहीं एक छोटा, मगर अव्यवस्थित घर हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है।

इसी तरह संबंधों में अक्सर लोग गड़े मुर्दे उखाड़ने से परहेज नहीं करते। वे पुरानी और बीत चुकी बातों को लेकर अपने वर्तमान के संबंधों को भी खराब कर लेते हैं। ऐसा करके वे जीवन के उन आनंददायक पलों से वंचित रह जाते हैं जो मिल–जुलकर रहने से प्राप्त होते।

जीवन सदा एक समान नहीं रहता। दुख–सुख दोनों इसके पहलू हैं। विक्टोरिया होल्ट कहते हैं कि, 'कभी अफसोस न करें। यदि यह अच्छा है, तो अद्भुत है। यदि बुरा है, तो अनुभव है।'

नितेश कुमार का जन्म 30 दिसम्बर, 1994 को हुआ था। वर्ष 2009 में जब वे केवल पन्द्रह साल के थे तो विशाखापत्तनम में एक रेल दुर्घटना के दौरान उनका बायां पैर कट गया। किशोरावस्था में हुए इतने बड़े हादसे ने नितेश एवं उनके परिवार को अंधकार में डाल दिया। लेकिन कुछ समय बाद अपने परिवार का साथ पाकर नितेश ने इस दुर्घटना से बाहर आने का निर्णय लिया। नितेश अपनी पढ़ाई करते रहे। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी कि आईआईटी की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। वे एक सफल इंजीनियर बन गए। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने बैडमिंटन खेलना आरंभ किया। कुछ समय बाद उन्होंने पैराएथलीट बनने का निर्णय लिया। इस तरह उन्होंने प्रतियोगिताओं में जाना आरंभ कर दिया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उनका कहना है कि, 'मैंने दृढ़ संकल्प कर लिया था कि अपनी दुर्घटना को भूलकर आगे के सुंदर जीवन पर ध्यान दूंगा। मैंने बस यही किया और सफलताएं मेरे साथ जुड़ती चली गईं।'

उन्होंने स्वयं को 'कोनमारी विधि' के माध्यम से ही उभारा। इसी तरह कोई भी व्यक्ति 'कोनमारी विधि' के माध्यम से अपने जीवन के बुरे अनुभवों और बुरी परिस्थितियों को डिलीट कर सकता है। आप भी आज से ही अपने जीवन में 'कोनमारी विधि' को शामिल कीजिए और खुशियों एवं सफलता को चुनिए।

–रेनू सैनी

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : सप्तमी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य फिर भी थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
शत्रु उपद्रव संभव है लेकिन शत्रु समन होगा। जीत आपकी होगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावुकता पर काबू रखें। स्वास्थ्य, खासकर मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम में दूरी है। संतान की स्थिति मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य ठीक–ठाक।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य ठीक–ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी, लेकिन निवेश वर्जित रहेगा। स्वास्थ्य ठीक–ठाक। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बहुत ही अच्छा। ऊर्जावान बने रहेंगे। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मन परेशान रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा बुझा–बुझा सा रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन आगमन होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कोर्ट–कचहरी में विजय मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा। उच्चाधिकारियों का साथ होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म–कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सदस्यता को लेकर भाजपा की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा ज़िला कार्यालय पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिसोदिया ने भाजपा सरसता महाभियान को लेकर सदस्यता अभियान की कोर टीम के साथ समीक्षा की और भाजपा ज़िला कार्यालय पर की बैठक की। अध्यक्षता ज़िला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की। बैठक का संचालन ज़िला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिसोदिया ने कहा कि 11 से 17 सितम्बर तक सभी जन प्रतिनिधि सांसद विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य नगरपालिका अध्यक्ष, सभासद समस्त, ज़िला इकाई, मंडल इकाई, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, प्रकोष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ता विशेष बूथ अभियान के तहत प्रत्येक अपने अपने बूथ पर 200 लोगों को सदस्यता कराने के कार्य में लगेंगे ज़िले के सभी बूथों पर

सदस्यता अभियान चलाना है और उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में प्रदेश की जनता के लिये जन कल्याणकारी योजनाओं से कार्य पूर्ण हो रहे है। सरकार और संगठन के विषय में जाकर जनता को बताने का कार्य कर जनता के कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते हुए कार्य करायें। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि संगठन के लक्ष्य को हम सब कार्यकर्ता मिलकर पूरा करेंगे और सभी कार्यकर्ता ज़िले में सदस्यता अभियान चलाकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड सदस्यता भाजपा गौतमबुधनगर से करायेगी।

इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला महामंत्री योगेश चौधरी, धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा, पूजा गंगानिया, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, सचिन शर्मा, गुरुदेव भाटी, हरिदत्त शर्मा, संजय भाटी, रवि जिन्दल, सतीश भाटी, राजीव सिंघल मुकेश चौहान महेंद्र नागर सरफ़राज़ अली मनीष भाटी बीडीसी आदि दर्दनाक कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

जनवादी महिला समिति ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली में व्याप्त अनियमिताओं/ समस्याओं और अधिकारियों की मिली भगत से राशन डीलरों द्वारा की जा रही मनमानी, घटतोली, कालाबाजारी करने के खिलाफ आज अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति गौतमबुद्धनगर के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय खाद्य आपूर्ति अधिकारी कार्यालय सेक्टर-6, पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ व जिलाधिकारी और जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को संबोधित ज्ञापन क्षेत्रीय खाद्य आपूर्ति अधिकारी नोएडा सोनू अग्रवाल को दिया।

ज्ञापन में मांग की गई है कि राशन डीलरों द्वारा की जा रही मनमानी,घटतोली जमाखोरी, कालाबाजारी व अशोभनीय

व्यवहार पर रोक लगाकर नियमित रूप से दुकान खुलवाकर सही तरीके से राशन वितरण कराना सुनिश्चित किया जाए।

प्रत्येक राशन कार्ड पर 2 की दर से 35 किलो (गेहूं चावल) अनाज प्रतिमाह उपलब्ध कराया जाए। साथ ही दाल, चीनी, नमक, खाद तेल, साबुन आदि आवश्यक वस्तुएं सस्ती दरों पर दी जाएं। अंत्योदय व बीपीएल कार्ड का लक्षित कोटा बढ़ाया जाए और वृद्ध, विकलांग, बेसरा, विधवा एवं न्यूनतम वेतन पाने वाले मज़दूरों /कामगारों के बीपीएल व अंत्योदय कार्ड बनाए जाएं, बिना नोटिस दिए राशन कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई बंद की जाए तथा जिन पात्र नागरिकों के राशन कार्ड नहीं बने हैं उनके कैंप लगाकर कार्ड बनाया जाए आदि मांगे की गई है।

शिक्षक संघ का शैक्षिक गोष्ठी आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ज़िला कार्यकारिणी का शैक्षिक संगोष्ठी शिक्षक भवन उच्च प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया।

निर्वाचन अधिकारी रजनी यादव (जिला उपाध्यक्ष) एवं सह निर्वाचन अधिकारी सतीश नागर (जिला उपाध्यक्ष) द्वारा चुनाव प्रक्रिया के निर्धारित समय के अनुसार नामांकन प्रात:11ः00 बजे से 12ः00 बजे तक किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए मात्र एक नामांकन सतीश पीलवान और ब्लॉक मंत्री पद भी मात्र एक नाम रामकुमार शर्मा का नामांकन पत्र दाखिल हुआ।

नामांकन पत्र की जाँच के उपरांत सतीश पीलवान को ब्लॉक अध्यक्ष एवं रामकुमार शर्मा को ब्लॉक मंत्री पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित दनकौर ब्लाक कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया, जिसमें संरक्षक ज्योतिर्मय पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलेख नागर, संयुक्त मंत्री प्रदीप आर्य, कोषाध्यक्ष निर्मला त्यागी, उपाध्यक्ष गजराज सिंह, विनीत रावत, शौकत अली, देवी राम शर्मा, ऋच्चा त्रिपाठी, वीरसिंह संगठन मंत्री राजन मलिक, नवनीत तिवारी, नित्यानंद शर्मा, कपिल भाटी, प्रतिभा अवस्थी, ममता राजपूत, प्रचार मंत्री दिप्ती यादव, रेशू उज्ज्वल, लता वर्मा, साधना, सुदर्शन शर्मा, ऑडिटर अर्चना सक्सेना मीडिया प्रभारी धीरज शर्मा आदि को कार्यकारिणी में सम्मिलित किया गया। उपरोक्त आयोजन में जिला कार्यकारिणी में भी विस्तार करते हुए हेंमत खोदना को जिला संयुक्त मंत्री एवं प्रीति पाण्डेय को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चुनाव में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सम्मानित सैकड़ों अध्यापकों ने बधाई दी। नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पीलवान ,ब्लॉक मंत्री रामकुमार शर्मा ने संघ में पूर्ण आस्था के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी जी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री को शुभकामनाएँ देने के साथ कहा कि संघ में नि:स्वार्थ अध्यापकों की सेवा करने वाले साथियो नवनिर्वाचित अध्यक्ष/ मंत्री संघ में निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

ज़िलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के शिक्षकों का सबसे बड़ा संगठन है यह शिक्षकों के अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ता रहा है। और आगे भी शिक्षकों के मान सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जिलामंत्री गजन भाटी ने बताया कि जिला कार्यकारिणी के नेतृत्व एवं प्रचार प्रसार से कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रत्येक विकास खण्ड में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जा रहे है। हमारे संघ का प्रत्येक पदाधिकारी शिक्षक हित में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर मण्डलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी, संरक्षक अशोक शर्मा ज़िला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा जिला मंत्री गजन भाटी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्लेराम नागर जिला कोषाध्यक्ष हेमराज शर्मा जिला उपाध्यक्ष प्रीति पांडे जिला संयुक्त मंत्री हेमंत खोद,ना जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल सिंह, जगबीर भाटी राजीव शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख स्मिता सिंह, मंत्री मीना यादव, जिला संगठन मंत्री शशि मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सरिता यादव, माला बजाज जिला उपाध्यक्ष अतुल उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में दनकौर ब्लॉक के सम्मानित अध्यापक उपस्थित रहे।

किसानों के समर्थन में सपा का यमुना विकास प्राधिकरण पर प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से प्रभावित गांव रन्हेरा एवं सलारपुर अंडरपास पर लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों के समर्थन में समाजवादी पार्टी ने यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा द्वारा ग्रामीणों की विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन यीडा सीईओ को सौंपा गया।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट से गांव रन्हेरा के प्रभावित किसान व ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से धरने पर बैठे हैं। वहीं दनकौर क्षेत्र के गांव सलारपुर में 100 वर्ष पुराने मार्ग को बंद करने के विरोध में ग्रामीण काफी लंबे समय से धरना दे रहे हैं, लेकिन यमुना विकास प्राधिकरण के आधिकारी तानाशाही रवैया अपनाते हुए किसानों व गामीणों की बात को सुनने को तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण गांव के साथ सौतेला व्यवहार करता है, जिस कारण आज प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले में गांव

विकास की दृष्टि में काफी पिछड़े हुए है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों की अनदेखी को बर्दास्त नहीं करेगी, यदि प्राधिकरण ने उनकी मांगे नहीं मानी, तो सपा किसानों को उनके अधिकार दिलाने के लिए बड़ा आंदोलन करेगी।

धरना-प्रदर्शन के दौरान पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र नागर, जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, जिला महासचिव सुधीर तोमर, मेंहदी हसन, देवेंद्र अवाना, विकास जतन, मोहित यादव, मोहित नागर, अनिल प्रजापति, दीपक नागर, कुंवर नादिर, यूनुस प्रधान, हुकुम सिंह भारती, कपिल ननका, अकबर खां, अतुल प्रधान, जगवीर नंबरदार, विपिन कसाना, राजेश रोही, डॉ शशि यादव, विपिन सेन, रोहित मत्ते गुर्जर, रविंद्र यादव, अमित रोनी, सुनील बदौली, प्रशांत भाटी, जुगती सिंह, हैप्पी पंडित, विनोद लोहिया, सागर शर्मा, अनुज नागर, अनीस अहमद, गजेंद्र यादव, राहुल आर्यन, हैप्पी पंडित, लोकेशन जनमेदा, लोकेश भाटी, अनुज नागर, जाकिर जेडी, प्राची यादव, खुशी यादव, विक्रम टाइगर, यशपाल भाटी, रविंद्र प्रधान, कुलदीप भाटी, महेश जाटव, शाहरुख खान, नितिन नागर, अजब भाटी, सनी प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, आशु चौधरी, राहुल चौधरी, मुरारीलाल गौतम, मुकेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सेक्टर के विकास के लिए तत्पर: शर्मा

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। पी-4 आरब्ल्यूए के अध्यक्ष भागवत शर्मा ने कहा कि सेक्टर के विकास के लिए हम सभी तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सेक्टर में साफ सफाई सुरक्षा एवं जल की व्यवस्था बेहतर हो इसके लिए समय-समय पर बैठक कर आपस में चर्चा कर अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहता है। उन्होंने कहा कि सेक्टर में सुरक्षा व्यवस्था बंद हो जिससे लोगों को कोई अशुद्धि का सामना न करना पड़े। अध्यक्ष भागवत

शर्मा ने कहा कि रवा का यह जिम्मेदारी है कि सेक्टर में रहने वाले लोगों को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए हम सभी तत्पर होकर उसका निदान करने का काम करे। उन्होंने संगठन के कार्यों पर संतोष जताते हुए कहा कि आरब्ल्यूए के सभी पदाधिकारी एकजुट है।

भाकियू (बलराज) का धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों का भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाही के खिलाफ धरना जारी है।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) और सोसायटी वासियों ने सोमवार को स्वर्ण नगरी प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी में लगभग दो हजार शिक्षित और सम्मानित परिवार निवास करते हे सोसायटी में पैरामाउंट बिल्डर की तरफ से बहुत सारी अनियमिताएं हैं जो सोसायटी व प्रशासनिक नियमों का सरासर उलंघन किया जा रहा है बलराज भाटी ने बताया कि बिल्डर सोसायटी के अन्दर अवैध निर्माण कर करोडों ,अरबों की कमाई कर रहा है प्रशासन से सोसायटी निवासियों ने अनेकों बार शिकायत की लेकिन बिल्डर के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की गई।

सोसायटी निवासी आर पी सिंह ने बताया कि एनडीएस सुरक्षा कम्पनी की लचर सुरक्षा के कारण आये दिन सोसायटी के अन्दर कोई ना कोई अप्रिय गम्भीर घटना घटित होती रहती है।

सोसायटी निवासी अपने-आप को असुरक्षित महसूस कर रहे बार बार निवासी एनडीएस सुरक्षा कम्पनी को हटाने की मांग कर चुके है बिल्डर मनमाने ढंग से एक से

डेड करोड रूपए प्रति माह मेंटेनेंस के नाम पर निवासियों से ले रहा और मेंटेनेंस से विद्युत मीटर को जोड़कर मनमाने तरीके से बिजली बिल वसूल कर रहा है और सीवर लाइन बन्द है मल-मूत्र का पानी भरा रहता है जिसके कारण पैरामाउंट सोसायटी निवासी मल-मूत्र का पानी पीने को मजबूर है और कुछ लोग उसके कारण बीमार हो रहे है।

सोसायटी निवासी पैरामाउंट बिल्डर के इस दंश को सालों से झेलते आ रहे हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि आज ग्रेटर नोएडा में मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ का आगमन है और 11 सितम्बर को प्रधानमन्त्री का आगमन है संगठन और सोसायटी निवासी मुख्यमन्त्री से मुलाकात कर अपनी पीडा बताना चाहते है यदि जिला प्रशासन और पुलिस-प्रशासन ने मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ से पांच सदस्यीय प्रति मंडल से मुलाकात नही कराई तो 11 सितम्बर को धरनास्थल पर महापंचायत होगी और उसमें बडा निर्णय लिया जायेगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर विजय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य जितेन्द्र सिंह ,यूथ राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार नागर, कैप्टन धर्मपाल, एनबी जोशी, रत्नेश शुक्ला, राहुल भाटी, राकेश भडाना, योगेश वैष्णव, गौरव ठाकुर, सोबिंद्र भाटी,महीपाल चौहान, दर्पण रहेजा, केपी सिंह, महेश शर्मा, विरेन्द्र भट्ट, भगवंत सिंह, आशु चौहान, जिला उपाध्यक्ष राहुल भाटी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संदीप भाटी, प्रशान्त खारी आदि सोसायटी निवासी मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

अदालत में सीजेआई ....

विरोध प्रदर्शनों पर मुद्दे उठाए, इस पर सीजेआई ने कहा कि कोई भी विरोध प्रदर्शन दबाव की कीमत पर नहीं हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों को मंगलवार को शाम पांच बजे तक काम पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा कि काम बहाल करने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि काम पर लौटने पर प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जिसमें ट्रांसफर भी शामिल है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'चालान' के इस्तेमाल का कोई उल्लेख नहीं है. उन्होंने सीबीआई और पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा।

पीठ ने कहा कि जब शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सौंपा गया था तो इसका चालान कहां है? पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी हैं। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को सूचित किया कि चालान उनके रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि उन्हें तत्काल दस्तावेज नहीं मिल पाया है और वह इस बारे में बाद में अदालत को बताएंगे। न्यायालय ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने में कोलकाता पुलिस की ओर से की गई कम से कम 14 घंटे की देरी पर भी सवाल उठाया। न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच पर 17 सितंबर तक नई रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर अस्पताल की उस महिला चिकित्सक की तस्वीरें सभी सोशल मीडिया मंचों से तत्काल हटाने का निर्देश दिया जिसकी दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। राज्य में चिकित्सा संस्थानों की सुरक्षा के मुद्दे पर पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सभी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सुरक्षा के लिए हालात का जायजा लेंगे। इससे पहले पीठ ने सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा सीलबंद लिफाफे में जमा की गई रिपोर्ट का अध्ययन किया। पीठ ने कहा कि सीबीआई ने स्टेटस रिपोर्ट जमा की है जिससे लगता है कि जांच प्रगति पर है। हम सीबीआई को नई वस्तु-स्थिति रिपोर्ट जमा करने का निर्देश देते हैं। हम सीबीआई को उसकी जांच पर 'गाइड' नहीं करना चाहते।

चार मूर्ति चौक से....

लागत की इस परियोजना के निर्माण में करीब 18 महीने का समय लगेगा। गौर चौक की दो तरफ की 60 मीटर चौड़ी सर्विस रोड से पेड़ों को स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है।

अंडरपास के निर्माण से पहले होने वाले सर्वे पूरे हो गए है। प्राधिकरण की ओर से करीब 15 विभागों में एनओसी के लिए आवेदन किया गया है। जल्द ही अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल जाएंगे। बिजली विभाग, आइजीएल, गेल, मेट्रो, आरआरटीएस, भूगर्भ विभाग, जल विभाग, अग्निशमन आदि विभागों में आवेदन किया गया है।

ग्रेनो वेस्ट में आबादी तेजी से बढ़ रही है। गौर चौक सबसे व्यस्त चौराहा है। चौराहे पर जाम को रोकने के लिए अस्थायी विकल्प के तौर पर दो तरफ यूटर्न बने हुए हैं। गौड़ सिटी की तरफ से सूरजपुर या नोएडा को जाने वाले वाहन 130 मीटर रोड पर बने यूटर्न से होकर गुजरते हैं। इसी तरह 130 मीटर रोड या सूरजपुर की तरफ से गौड़ सिटी व प्रताप विहार को जाने वाले वाहन नोएडा की तरफ बने यूटर्न से होकर जाते हैं। बावजूद इसके सुबह शाम जाम की स्थित बनी रहती है। स्थायी हल के लिए पिछले वर्ष दिसंबर में अंडरपास के लिए टेंडर जारी किया गया था।

अंडरपास गौर मूर्ति चौराहे पर 60 मीटर सड़क के समानांतर बनेगा। यानी प्रताप विहार से सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन इस अंडरपास से होकर गुजरेंगे। यूटर्न तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकारी सलाहकार एजेंसी राइट्स ने इसका डिजाइन तैयार किया है। राइट्स ने ही शहर के ट्रैफिक मोबिलिटी प्लान तैयार करते हुए चार मूर्ति चौक पर अंडरपास बनाने का सुझाव दिया है।

सीएम योगी आज नोएडा...

और मशीनों की संख्या को बढ़ाया गया था। इसके बावजूद एयरपोर्ट का निर्माण निर्धारित समय से आगे खिसक गया है। विकासकर्ता कंपनी एवं प्रदेश सरकार के बीच हुए अनुबंध के मुताबिक सितंबर अंत तक निर्माण पूरा होना था, कंपनी को तीन माह का अतिरिक्त समय भी दिया गया है, लेकिन अप्रैल से एयरपोर्ट पर यात्री सेवाओं के संचालन का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री मंगलवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हेलिकॉप्टर से मुख्यमंत्री नोएडा एयरपोर्ट की निर्माण साइट पर पहुंचेंगे। रनवे, एटीसी, टर्मिनल बिल्डिंग आदि की निर्माण प्रगति देने के बाद मुख्यमंत्री विकासकर्ता कंपनी के अधिकारियों के अलावा यमुना प्राधिकरण व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

जीजा ने साले पर...

आपको बता दें कि डेढ़ साल पहले शालीमार गार्डन निवासी संजय की शादी विक्रम एंकलेव में रहने वाली एक युवती से हुई थी। युवती के भाई राहुल का अपने बहनोई के घर आना-जाना हुआ तो उसकी बहन से आंखें चार हो गईं। दोनों कब एक-दूसरे के नजदीक आ गए किसी को पता ही नहीं चला। पिछले माह राहुल ने अपने जीजा की बहन के साथ लव मैरिज कर ली और दोनों गरिमा गार्डन में ही किराये पर कमरा लेकर रहने लगे, लेकिन संजय इस बात से बहुत परेशान था।

संजय अपने दोस्त दिवाकर को साथ लेकर दोपहर के वक्त राहुल के घर पहुंचा। राहुल अपनी पत्नी के साथ बैठा खाना खा रहा था, चाकू लेकर पहुंचे संजय ने आव देखा ना ताव चाकू निकालकर संजय पर जानलेवा हमला बोल दिया। चाकू राहुल के चेहरे पर लगा और वह लहुलुहान हो गया। संजय ने अपनी बहन के साथ भी मारपीट की और फरार हो गया। राहुन ने शालीमार गार्डन थाने में तहरीर देकर संजय और उसके दोस्त दिवाकर के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज करा दिया।

पुलिस ने संजय और उसके दोस्त दिवाकर को गिरफ्तार कर लिया है। संजय के कब्जे से पुलिस ने हमले में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया है कि संजय और दिवाकर के खिलाफ हत्या के प्रयास, गाली-गलौज व मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। दोनों को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

35 अवैध कॉलोनियों...

नगर पंचायत ने 25 लाख रुपये का शुल्क भी वसूल किया था। इसकी भनक लगने पर प्राधिकरण सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने लैंड विभाग को कार्रवाई करने के आदेश देते हुए कॉलोनाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने, दनकौर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र के अलावा कॉलोनी को ध्वस्त करने के निर्देश दिए थे, लेकिन सीईओ का आदेश लैंड विभाग के लिए हवा हवाई बनकर रह गया। लैंड विभाग ने सीईओ के आदेश कार्रवाई को लेकर एक कदम नहीं बढ़ाया है। हालांकि अधिशासी अधिकारी के स्थानांतरण हो गया है, लेकिन न तो कॉलोनाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और न ही स्वीकृत किए गए मानचित्र को रद्द कराया गया है।

सेक्टरों में बढ़ रही...

फीडर को बडे ब्रेकडाउन से बचाने के लिए दो घंटे तक बंद रखा गया। इसके लिए रोस्टर बनाकर प्रभावित क्षेत्र में दूसरे फीडर से बिजली की आपूर्ति की गई। उसमें भी काफी देर तक कटौती हुई। इस वर्ष भीषण गर्मी के दिनों में विद्युत निगम की व्यवस्थाओं की पोल भी हर बार की तरह खुली।

गोल्फ कोर्स परियोजना...

नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री ने भूलेख और सिविल विभाग की संयुक्त बैठक कर इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

ग्राहकों के स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाने के लिए टोयोटा ने शुरू की टी केयर

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 'टी केयर' की शुरूआत की घोषणा की। यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य अपने सम्मानित ग्राहकों को एक समग्र स्वामित्व अनुभव मुहैया कराना है। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित, 'टी केयर' सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है जो ग्राहक की खुशी को समृद्ध करने और दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के समर्पण को दशार्ता है। इस नई पहल पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री, सेवा और प्रयुक्त कार व्यवसाय के वाइस प्रेसिडेंट, सबरी मनोहर ने कहा, 'टोयोटा में, हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में हमारे ग्राहक होते हैं। हमारा ध्यान हमेशा हर टचपॉइंट पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर रहता है - बिक्री से पहले, बिक्री के दौरान और बिक्री के बाद। हम न केवल बेहतरीन उत्पाद और सेवाएं देने का प्रयास करते हैं, बल्कि टोयोटा के साथ अपने संपूर्ण स्वामित्व अनुभव के दौरान अपने ग्राहकों के साथ एक गहरा, स्थायी संबंध बनाने का भी प्रयास करते हैं।

मोटर वाहन उद्योग का जीएसटी में 14-15 प्रतिशत योगदान : सियाम

नई दिल्ली। भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया और अब देश में संग्रहित कुल जीएसटी में इसका योगदान 14-15 प्रतिशत है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने सोमवार को यहां 64वें वार्षिक एसीएमए सत्र में कहा कि मोटर वाहन क्षेत्र देश में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया, हम देश में एकत्र कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में करीब 14-15 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से अधिक योगदान देगा। उन्होंन कहा कि अग्रवाल ने कहा कि केवल वृद्धि संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

इंग्का सेंटर्स का भारत में दूसरा मीटिंग प्लेस नोएडा में

नई दिल्ली। आइकिया रिटेल का परिचालन करने वाली इंग्का समूह की इकाई इंग्का सेंटर्स भारत में नोएडा में लाइकली ब्रांड के तहत अपना दूसरा मीटिंग प्लेस स्थापित करने के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के एक वैश्विक विस्तार एवं विकास निदेशक ने बताया कि इसके साथ देश में कंपनी का कुल निवेश एक अरब यूरो हो जाएगा। इंग्का सेंटर्स भारतीय बाजार पर बड़ा दांव लगा रही है और विस्तार पर मंथन कर रही है। आइकिया की देश में अपने बिक्री केंद (आउटलेट) खोलने की योजना है। हालांकि गुरुग्राम में इसके पहले (मीटिंग प्लेस) लाइकली गुरुग्राम के उद्घाटन को 2025 अंत से अब 2026 तक टाल दिया गया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा ?कि इसमें 60.7 करोड़ यूरो का निवेश किया जाएगा। यह निवेश पूरी तरह से नोएडा परियोजना के लिए है। फिर हमारे पास जीएमपी के लिए भी निवेश है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 75 करोड़ डॉलर के बांड भुनाए

मुंबई। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) उद्योगपति गौतम अदाणी समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है। कंपनी ने कहा कि उसने आठ सितंबर 2024 को देय सभी बकाया 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर 4.375 प्रतिशत होल्डको नोट्स को भुना लिया। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने अपने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को भुनाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। एजीईएल ने अपने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को शीघ्र भुनाने की योजना की जनवरी में घोषणा की थी। ये इस सितंबर में परिपक्व हो रहे थे। एजीईएल उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है।

16 योजनाओं का उद्घाटन व 22 योजनाओं का शिलान्यास

❖ मुख्यमंत्री ने 88 .97 करोड़ रुपये की लागत से पटना जिला में 11 मॉडल थाना भवन और पटना जंक्शन सहित कुल 17 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को निमार्णाधीन बख्तियारपुर (करजान)-ताजपुर (समस्तीपुर) पुल का हवाई सर्वेक्षण किया। साथ ही बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पथ के निमार्णाधीन कार्य का निरीक्षण कर निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का दिया निर्देश। पटना जिले के 210.59 करोड़ रुपये की लागत से 16 योजनाओं का उद्घाटन तथा 199.48 करोड़ रुपये की लागत से 22 योजनाओं का किया शिलान्यास हुआ। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि करजान (एनएच-31) तथा ताजपुर (एनएच-28) के आपस में जुड़ जाने से एनएच-31 और एनएच-28 का सीधा सम्पर्क हो जाएगा और उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार के बीच एक और संपर्कता बनेगी, जिससे आवागमन में सहूलियत होगी। नालंदा, मुंगेर और नवादा की ओर से आने वाले वाहनों को उत्तर बिहार जाने के लिये पटना आने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे वाहन उत्तर बिहार आसानी से चले जाएंगे, जिससे 60 किलोमीटर दूरी कम हो जाएगी। इसके पश्चात बेलछी पहुंचकर मुख्यमंत्री ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय सह आवासीय भवन, बेलछी का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया और नवनिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने 17.78 करोड़ की लागत से पटना जिला में नवनिर्मित मॉडल थाना भवन बाढ़, मॉडल थाना भवन हवाई अड्डा एवं मॉडल थाना भवन सम्यागढ़ का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने 23 प्रखंडों में 11 हजार 285 मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट, 23 प्रखंडों में 122 पुस्तकालय, कुल 21 सामुदायिक भवन सह वर्क शेड, सतत जीविकोपार्जन के लाभार्थी के लिए कुल 122 पशु शेड, 9 प्रखंडों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई, ग्राम पंचायत-कराय में ग्रामीण हाट, मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना वर्ष 2023-24 अंतर्गत निर्मित 2 शेडनेट हाऊस, 19 आंगनबाड़ी केंद्र भवन और पटना जिला के विभिन्न प्रखंडों में 23 खेल मैदान का उद्घाटन किया। इसके साथ मुख्यमंत्री ने 88.97 करोड़ रुपये की लागत से पटना जिला में 11 मॉडल थाना भवन और पटना जंक्शन सहित कुल 17 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया। इसके अलावा पटना जिलांतर्गत फतुहा थाना में 20 महिला सिपाही बैरक, सचिवालय थाना में 20 महिला सिपाही बैरक, नेऊरा थाना में 20 महिला सिपाही बैरेक और नौबतपुर थाना में 20 महिला सिपाही बैरक के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही 720 शैय्या के राजकीय अंबेडकर अनुसूचित जाति +2 आवासीय विद्यालय, फुलवारीशरीफ एवं मसौढ़ी का निर्माण, जीविका के लिए 20 ग्राम संगठन भवन का निर्माण, सतत जीविकोपार्जन के लाभार्थी हेतु कुल 900 नये पशु शेड का निर्माण, जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत 1911 सोकपिट एवं 103 छत वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण और विभिन्न प्रखंडों में 50 आंगनबाड़ी केंद्रों के भवनों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने हाथीदह, मोकामा में एनएच-31 के फोर बाई सिक्स लेन औंटा-सिमरिया (गंगा नदी पर सिक्स लेन पुल सहित) परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन कार्य का जायजा लिया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस परियोजना के संबंध में मुख्यमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना की समीक्षा के दौरान कहा कि इस नये पुल का निर्माण कार्य पूर्ण होने से बेगूसराय की तरफ जाने के लिए लोगों को और सहूलियत होगी।

भारत-जापान वित्तीय सहयोग बढ़ाने, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा जारी रखने पर सहमति जताई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान वित्तीय सहयोग को और बढ़ावा देने तथा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा जारी रखने पर सहमत हुए है। दोनों देशों के बीच ये सहमति 6 सितंबर, 2024 को टोक्यो में आयोजित दूसरा भारत और जापान वित्त संवाद के दौरान बनी। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने किया, जबकि जापानी पक्ष की अगुवाई जापान के अंतरराष्ट्रीय मामलों के वित्त उप-मंत्री अत्सुशी मिमुरा ने की। जापानी प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जापान के टोक्यो में आयोजित दूसरे भारत-जापान वित्त संवाद में दोनों देशों ने वित्तीय संबंधों की मजबूती पर चर्चा की।

जीएसटी परिषद् की 54वीं बैठक शुरू, बीमा सहित कई दरों में बदलाव संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण की अध्यक्षता में सोमवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 54वीं बैठक यहां शुरू हो गई है। बैठक में जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी की दरों में कटौती सहित कई अन्य वस्तुओं के दरों में बदलाव की संभावना है। जीएसटी परिषद ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि नई दिल्ली में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक चल रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस

बैठक की अध्यक्षता कर रही हैं। परिषद् के मुताबिक इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के अलावा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद् की बैठक में बीमा प्रीमियम पर कराधान, मंत्रिसमूह (जीओएम) से दरों को युक्तिसंगत बनाने के सुझाव और ऑनलाइन गेमिंग राजस्व पर स्थिति रिपोर्ट सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा फिटमेंट समिति द्वारा जीवन, स्वास्थ्य और पुनबीर्मा प्रीमियम पर लगाए गए जीएसटी तथा राजस्व निहितार्थ पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की भी उम्मीद है। परिषद् की 53वीं बैठक इस वर्ष जून महीने में हुई थी। बैठक में जीएसटी परिषद ने सभी प्रकार के इस्पात, लोहे और एल्युमिनियम मिल्क कैन पर 12 फीसदी जीएसटी की समान दर की सिफारिश की थी। इसके अलावा परिषद् ने आम लोगों के लिए भारतीय रेलवे की सेवाओं पर जीएसटी नहीं लगाए जाने की भी अनुशंसा की थी।

दो साल में मंगल ग्रह पर लांच किया जाएगा पहला स्टारशिप मिशन : मस्क

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि मंगल ग्रह पर पहला अनक्रूड स्टारशिप मिशन दो साल में लांच किया जा सकता है। स्टारशिप दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसका उपयोग इंसानों को चंद्रमा और फिर अंत में मंगल ग्रह पर भेजने के लिए किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टेक अरबपति ने कहा कि मंगल ग्रह पर पहला स्टारशिप दो साल में लॉन्च होगा। मंगल ग्रह पर लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन्हें शामिल किया जाएगा।

अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू की उड़ान उड़ान चार साल में होगी। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 20 वर्षों में एक शहर बनाने का लक्ष्य है, जो खुद की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। आने वाले वर्षों में किसी ना किसी ग्रह पर मानव जीवन को शुरू करने की तैयारी भी होगी। मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने पहली पूरी तरह से रियूज होने वाली रॉकेट का निर्माण किया है। इससे स्पेश मिशन पर आने वाले खर्चों में काफी कमी आएगी। मस्क ने बताया कि मंगल ग्रह पर चुनौतीपूर्ण माहौल है।

कामगार यूनियन का सम्मान भोज का आयोजन

एजेंसी

पटना। बिहार-झारखंड राज्य विद्युत परिषद् फिल्ड कामगार यूनियन (सीटू) का गोल्डेन वर्ष के कार्यक्रम का समापन भोज के साथ हो गया। यह कार्यक्रम 2024 में यूनियन के 50 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में हुआ। नूर मोहम्मद यूनियन के अध्यक्ष ने झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया साथ ही 50 दीप जलाकर 50 वर्ष पूरा होने की सांकेतिक घोषणा की गयी। इसके पूर्व यूनियन के झडे का पूजन श्री कुंदन कुमार, लेखा सहायक ने की तथा प्रसाद के रूप में लड्डु बांटा। यूनियन के महासचिव अमरेन्द्र प्रसाद मिश्र ने संक्षिप्त भाषण में यूनियन के विकास की कहानी बतायी और कहा कि 2024 के अंत तक किसी-न-किसी रूप में स्वर्ण वर्ष मनाया जाता रहेगा। अगले 15 सितम्बर, 2024 को संवाददाताओं के सम्मान में भोज का आयोजन किया जायेगा। अंचल स्तर पर कन्वेंशन एवं भोज का कार्यक्रम का आयोजन पूरे बिहार में किया जायेगा। महिला कर्मियों का सम्मेलन किया जाएगा। संचरण कम्पनी का सम्मेलन होगा। मानवबल, डाटा इंट्री ऑपरेटर एवं एजक्युटिव असिस्टेंट का कन्वेंशन होगा। कनीय अभियंता एवं आई० टी० सवंर्ग का कन्वेंशन होगा। महासचिव ने खेद व्यक्त किया है कि कम्पनी का प्रबंधन कर्मचारियों को दिये गये आश्वासनों की पूर्ति नहीं कर रही है तथा समस्याओं के समाधान पर तो एकदम ही ध्यान नहीं दे रही है।

शेयर बाजार ने फिर पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

निवेशकों को 36 हजार करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह के आखिरी तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज सप्ताह के पहले दिन ही अपनी मजबूती दिखाई। हालांकि आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से शेयर बाजार ने मजबूती की राह पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी

0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। ऑयल एंड गैस, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, मीडिया, टेलीकॉम, पावर और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 36 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.54 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.18 लाख करोड़ रुपये था।

राष्ट्रीय कार्यशाला को लेकर जागरूकता रथ रवाना

भागलपुर। सामाजिक न्याय एवं सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन पटना के ज्ञान भवन में होगा। यह कार्यशाला 10 सितंबर से लेकर 12 सितंबर तक चलेगा। इस कार्यशाला को लेकर भागलपुर के उप विकास आयुक्त के कार्यालय से सोमवार को जागरूकता रथ को भागलपुर के प्रभारी जिलाधिकारी सह उप विकास आयुक्त प्रदीप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसको लेकर उप विकास आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रीय कार्यशाला पटना के ज्ञान भवन में तीन दिवसीय होगा। इसमें देश भर के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इस कार्यशाला में भागलपुर से भी जिला पंचायती राज पदाधिकारी, दो प्रखंड राज्य पदाधिकारी, 10 स्थानीय जनप्रतिनिधि को भेजा जा रहा है।

पीएनबी और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जुटाएंगे 10,000 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को मौजूदा वित्त वर्ष में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये कुल मिलाकर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 25 में पीएनबी और बीओएम, प्रत्येक को क्यूआईपी के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी जा चुकी है। इन दोनों बैंकों ने हांग कांग जैसी कई जगहों पर रोड शो भी किए हैं। पीएनबी और बीओएम की सालाना आम बैठक (एजीएम) में वित्त वर्ष 2024-25 में क्यूआईपी या अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिये शेयर बिक्री से प्रत्येक को 7,500 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। दरअसल, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई के मामले में क्यूआईपी के जरिये धन जुटाने पर पैसा कंपनी को जाता है, क्योंकि इकाई नए शेयर जारी करती है, जबकि ओएफएस के मामले में जुटाई गई राशि सरकार (हिस्सेदार) के पास जाती है क्योंकि इसमें मौजूदा शेयरों की बिक्री होती है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय को ऐसे ही प्रस्ताव अन्य बैंकों से मिले हैं। इस क्रम में क्यूआईपी के जरिये यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) से 6,000 करोड़ रुपये, यूको बैंक से 2,000 करोड़ रुपये और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव मिले हैं।

40 सदस्यीय गन्ना किसानों का दल शोध के लिए यूपी हुआ रवाना

पूर्वी चंपारण। मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना-2024-25 अंतर्गत अंतर्राज्यीय एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु 40 किसानों का दल सोमवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित गन्ना शोध परिषद के लिए रवाना हुए। जिसमे एचजीसीएल सुगौली इकाई क्षेत्र से 10, मझौलिया इकाई क्षेत्र से 10, सिंधवलिया से 10 एवं गोपालगंज क्षेत्र के 10 किसान शामिल है। सभी किसान आगामी सात दिनो तक उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद् शाहजहाँपुर में रहकर गन्ना की आधुनिकतम खेती की जानकारी प्राप्त करेंगे। इसकी जानकारी देते सुगौली चीनी इकाई के गन्ना उपमहाप्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि इस दल में जिसमें चीनी मिलों के पदाधिकारी, मझौलिया से सुधीर मिश्रा एवं HPCL सुगौली के विनय कुमार सिंह भी शामिल है।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व संस्कार दोनों जरूरी : रत्नेश सादा

एजेंसी

सहरसा। शहर के बटराहा मोहल्ले में स्थित कीड जी प्ले ग्रुप स्कूल के द्वारा प्रथम वार्षिकोत्सव प्रेक्षागृह मे मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मद्य एवं उत्पाद निषेध मंत्री रत्नेश सादा, विधान परिषद के सदस्य डॉ अजय कुमार सिंह, नगर निगम मेयर बैन प्रिया, आशा कुमारी, डॉक्टर गौतम झा, सीताकांत झा, डॉक्टर रमन झा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री सादा ने कहा कि वर्तमान परिवेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कार दोनों ही जरूरी है। विधान परिषद सदस्य डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा शिक्षा के मूल्यों को समझने और उसके उदाहरणों से

हमारी पुस्तकें भरी पड़ी है। उद्घाटन भाषण में कीड जी की डायरेक्टर पम्मी कुमारी ने इस स्कूल के बढ़ते कदम के बारे में अभिभावकों और उपस्थित लोगों को कहा कि यहां एक से पांच तक बच्चों की पढ़ाई होगी। कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। वहीं राजकीय सम्मान से सम्मानित शिक्षक आनंद झा के संचालन एवं त्रिपुरारी झा के सहयोग से कार्यक्रम भव्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाली सहयोगी संस्था ब्रेन गेटवे के बच्चों ने भी शानदार प्रस्तुति दी। सुशीला हार्ट एवं डायबिटीज सेंटर के सहयोगियों ने भी इसमें सराहनीय सहयोग किया। कार्यक्रम में विभिन्न कार्यों के लिए व्यक्ति और संस्था को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉक्टर रमण झा ने कहा कि आने वाले समय में सहरसा को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा का माहौल उपलब्ध होगा।

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का फैसला

मधुबनी। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में नूरी जामा मस्जिद के प्रांगण में स्थित मदरसा नूरिया बराकतुल-उलूम के हॉल में जयनगर प्रखंड के मुस्लिम प्रतिनिधियों, विद्वानों और बुद्धिजीवियों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाग लेने वालों में कई जानकार लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये. जयनगर के जाने-माने युवा नेता एडवोकेट सैयद हस्सानुल-हक ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के गंभीर पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले दस वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है कि संसद में कोई विधेयक पारित नहीं हो पाया है। क्योंकि सत्तारूढ़ दल को संसद के दोनों सदन में भारी बहुमत थी इसलिए हर विधेयक आसानी से पारित हो जाता था । जहां तक

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 की बात है तो सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि वक्फ क्या है? वक्फ एक्ट, 1995 में , वक्फ की परिभाषा कुछ इस तरह बताई गई है: कोई भी संपत्ति, जो किसी व्यक्ति द्वारा धार्मिक या सामाजिक उद्देश्यों के लिए इस्लामिक शरीयत के प्रावधान के तहत दान की गई हो। वर्तमान में, यह विधेयक जेपीसी द्वारा विचाराधीन है। इसलिए इसका सार्वजनिक स्तर पर विरोध होना चाहिए। क्योंकि मौजूदा विधेयक में ऐसे प्रावधान लाए जा रहे हैं जिससे वक्फ की जमीनों पर माफिया का कब्जा बढ़ जाएगा। जैसे इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद वक्फ संबंधी विवादों का मामला जिला मजिस्ट्रेट के पास जाएगा। जिससे भविष्य में वक्फ सम्पत्ति पर माफिया का कब्जा और भी आसान हो जाएगा। हम देख रहे हैं कि मौजूदा सरकार मुसलमानों से जुड़ी चीजों में ज्यादा दखल दे रही है। वक्फ संशोधन विधेयक लाकर मोदी सरकार वक्फ बोर्ड में पंजीकृत सम्पत्तियों को कॉरपोरेट मित्रों को गिफ्ट करने की साजिश कर रही है. इसलिए इस बिल का विरोध करना जरूरी है। हम शांतिपूर्ण तरीके से इस बिल का पुरजोर विरोध करते हैं। जयनगर के सामाजिक कार्यकर्ता मंजर हसन उर्फ गुड्डू मंसूरी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में हमारा पहला कदम यह होगा कि स्कैनर के माध्यम से अपनी राय/ज्ञापन जेपीसी को ईमेल करना करें । आगामी 15 सितंबर को मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का एक सम्मेलन पटना में आयोजित होगा, हम जयनगर वासियों सेभी आव्हान करते हैं कि बड़ी संख्या में इस सम्मेलन में शामिल होने का प्रयास करें। इस्लामपुर के मुहम्मद साबिर ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड सरकार द्वारा बनाया गया एक बोर्ड है जिसमें भारतीय मुसलमान अपनी मस्जिदों, मदरसों और ईदगाहों का पंजीकरण कराते हैं। तो फिर सरकार ऐसा कानून क्यों बना रही है जिससे वक्फ की जमीन पर कोई और कब्जा कर सके।

भाजपा की राजनीति सत्ता के लिए नही देश के लिए है : डॉ संजय जयसवाल

एजेंसी

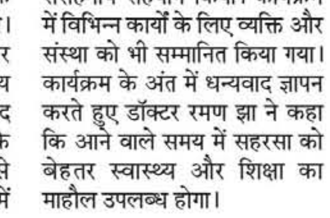

पूर्वी चंपारण। भाजपा की राजनीति राज के लिए नहीं, देश के लिए है। उक्त बाते सोमवार को रक्सौल स्थित पंचायती मारवाड़ी मंदिर के सभागार में भाजपा महिला मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए बेतिया सांसद डॉ संजय जायसवाल ने बतौर मुख्य अतिथि कही। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ जयसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के लिए लगातार काम कर रही है। अब केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाना है। आम जनता को पार्टी परिवार से जोड़ना है। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर हर परिवार से संपर्क कर नए सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के अभियान से नहीं जुड़ने वाले को भी पार्टी की रीति नीति जरूर बताएं। संगठन जिला रक्सौल के कार्यकर्ता डेढ़ लाख सदस्य के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करें। मौके पर प्रदेश से आए प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज रंजन पटेल ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर अभियान की शुरूआत की है। अब भाजपा प्रदेश के साथ जिलों में सघन अभियान चलाएगी। भाजपा कार्यकर्ता अभियान को गांव-गांव, गली-मोहल्ले तक लेकर जाएंगे। सदस्यता अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से लोगों को अवगत करवाए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय हॉकी टीम का जलवा

चीन के बाद जापान को 5-1 से रौंदा

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सुखजीत सिंह के शानदार दो गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने सोमवार को पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में जापान पर 5-1 से जीत दर्ज की। भारत ने हरफनमौला प्रदर्शन किया, जिसमें सुखजीत ने दूसरे मिनट में ही गोल कर दिया और 60वें मिनट में एक और गोल करके जीत हासिल की। अभिषेक ने तीसरे संजय ने 17वें और उत्तम सिंह ने 54वें मिनट ने भी गोल करके भारत को मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण में रखा। जापान ने 41वें मिनट में मात्सुमोतो काजुमासा के जरिए एक गोल किया, लेकिन यह मेजबान टीम को चुनौती देने के लिए पर्याप्त नहीं था। चार बार के चैंपियन भारत ने इससे पहले अपने पहले मैच में चीन को 3-0 से हराया था। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम मंगलवार को आराम के बाद बुधवार को पिछले संस्करण की उपविजेता मलेशिया से भिड़ेगी।

बता दें, छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद टॉप चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा। भारत ने मैच के दूसरे मिनट में ही सुखजीत के शानदार फील्ड गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। सर्कल के दाईं ओर खड़े संजय ने क्रॉस किया जिसे सुखजीत ने तेजी से डिफ्लेक्ट कर दिया। भारत ने अगले मिनट में बढ़त को 2-0 कर दिया, जब अभिषेक ने कई जापानी डिफेंडरों और गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का आक्रमण जारी रहा और संजय ने 17वें मिनट में शानदार पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। हाफ-टाइम तक 3-0 की बढ़त के साथ भारत आरामदायक स्थिति में था, जबकि जापान ने शुरुआती झटकों से उबरकर वापसी करने की कोशिश की। पिछले संस्करण में तीसरे स्थान पर रहने वाले जापान ने 21वें मिनट में पीसी हासिल करने के लिए अपने हमले में सुधार किया। लेकिन जापान की ड्रैग-फ्लिक को भारतीय रशर्स ने बेहतरीन तरीके से रोक दिया, जिससे उनकी टीम ने तेजी से जवाबी हमला किया। दाएं से हमला करते हुए जुगराज सिंह ने अच्छा टर्न लिया और फ्री हिट हासिल की। तेज गति से छोटे पास के बाद भारतीय फॉरवर्ड गोल-मुंह से कुछ इंच दूर रह गए। दूसरे क्वार्टर में एक गोल के साथ, भारत ने 67 प्रतिशत बॉल कब्जे के साथ पूरी तरह से दबदबा बनाया, जिसके कारण 11 सर्कल एंट्री और तीन शॉट गोल पर आए। 10 मिनट के हाफ-टाइम ब्रेक से वापसी करते हुए, भारत ने गति बनाए रखने की कोशिश की। उन्होंने तीसरे क्वार्टर में अपना पहला हमला करने के लिए धैर्य और अनुशासन के साथ खेला, लेकिन जापान ने गेंद वापस जीत ली। जापान ने एक संरचित हमले को आगे बढ़ाने में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसके कारण अंततः 41वें मिनट में काजुमासा ने एक फील्ड गोल किया। भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक काजुमासा को गोल करने से रोकने में कुछ खास नहीं कर सके।

रोनाल्डो के रिकॉर्ड 132वें गोल से जीता पुर्तगाल

लंदन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फिर से साबित किया कि वह 39 वर्ष के होने के बावजूद पुर्तगाल के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस स्टार स्ट्राइकर ने मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर कदम रखा और 88वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इससे पुर्तगाल ने नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया। पांच बार वर्ष के विश्व में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 132वां गोल था जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो यूरोपीय चैंपियनशिप के पांच मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन पुर्तगाल के कोच रॉबर्ट मार्टिनेज ने इस दिग्गज खिलाड़ी पर भरोसा बनाए रखा और उनका यह फैसला सही साबित हो रहा है। गुरुवार को क्रोएशिया पर 2-1 की जीत में भी रोनाल्डो ने अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में उन्होंने क्लब और देश की तरफ से कुल मिलाकर अपने करियर का 900वां गोल किया था।

ICC की टीम लेगी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान में आयोजित होने वाली आगामी 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लेगा। आईसीसी का डेलीगेशन निरीक्षण करने के लिए इसी सप्ताह पाकिस्तान पहुंचेगा। फरवरी और मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन होना है। पाकिस्तान में 8 टीमों वाला टूर्नामेंट खेला जाएगा और इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी अपने स्टेडियमों में जरूरी बदलाव कर रहा है। इसी को लेकर आईसीसी के अधिकारी पाकिस्तान जाने वाले हैं। क्रिकेट पाकिस्तान ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न आईसीसी विभागों के प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा निरीक्षण दल में छह सदस्य होने की संभावना है। यह दौरा चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आईसीसी की ओर से संभावित तौर पर अंतिम निरीक्षण हो सकता है। इससे पहले पिच सलाहकारों, सुरक्षा प्रमुखों और इवेंट कर्मियों सहित आईसीसी अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए तीन अलग-अलग दौरे किए हैं। इंस्पेक्शन टीम तैयारियों का आकलन करेगी और सुधार के लिए सुझाव देगी। इसके अलावा आईसीसी के इस डेलीगेशन के पाकिस्तान दौरे के दौरान यह उम्मीद की जा रही है कि ICC अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का आधिकारिक कार्यक्रम साझा करेगा। ICC प्रतिनिधिमंडल लाहौर, रावलपिंडी और कराची में प्रमुख स्थलों का दौरा करने वाला है। पांच दिवसीय यात्रा के दौरान टीम पीसीबी अधिकारियों के साथ बैठकें करेगी, जिसमें शेड्यूल, अभ्यास मैच, प्रैक्टिस वेन्यू और टिकटिंग सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। पीसीबी को जानकारी देनी है कि वे आने वाले समय में क्या कुछ बदलाव करने जा रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से जो संभावित तारीख और शेड्यूल आईसीसी को भेजा गया है, उसमें कहा गया है कि उद्घाटन मैच 19 फरवरी को आयोजित होगा और 9 मार्च 2025 को फाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट की मौजूदा चैंपियन है, क्योंकि 2017 में टूर्नामेंट खेला गया था, उसमें पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को हराया था। इस बार सवाल ये भी होगा कि क्या भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी?

अफगानिस्तान को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आज यानी सोमवार 9 सितंबर से ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान की टीम को एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है। हालांकि, इससे पहले न्यूजीलैंड की मेजबानी भारत में कर रही अफगानिस्तान की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। अनुभवी ओपनर इब्राहिम जादरान चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। वे इस टेस्ट मैच के अलावा साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में भी नहीं खेले गेंदे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जानकारी देते हुए बताया, ?शीर्ष क्रम के बल्लेबाज इब्राहिम जादरान को बाएं पैर में टखने की मोच के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। एसीबी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है और जल्द ही मैदान पर उनकी वापसी की उम्मीद करता है। इब्राहिम जादरान एक ओपनर के तौर पर टीम को मजबूती देते हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का ऐलान

चेन्नई में ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए मेजबान भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाने वाली इस टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने 16 सदस्यीय टीम चुनी है। दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम का ऐलान दलीप ट्रॉफी के अगले मैचों के बाद होने की संभावना है। हालांकि, इससे पहले जान लीजिए कि चेन्नई में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से खेला जाना है। इस टेस्ट मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन चुनना थोड़ा कठिन है। टीम मैनेजमेंट, कोच और कप्तान के लिए थोड़ा बहुत सिरदर्द मिडिल ऑर्डर के बैटर और स्पिनर बढ़ाने वाले हैं। बाकी की पूरी टीम सेट नजर आ रही है। 16 सदस्यीय टीम में से 11 खिलाड़ियों का चुनाव होगा। तीन खिलाड़ियों का बाहर होना लगभग तय है कि विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल बाहर बैठेंगे, लेकिन दो खिलाड़ियों ने चिंता बढ़ाई हुई है।

सरफराज खान और कुलदीप यादव, ये दो खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनको लेकर टीम को माथापच्ची करनी होगी। क्या केएल राहुल प्लेइंग इलेवन में होंगे? अगर होते हैं तो फिर सरफराज खान बाहर बैठेंगे और सरफराज खेलते हैं तो केएल बाहर बैठेंगे। ऐसा ही कुछ कुलदीप यादव के साथ होगा। अगर कुलदीप को वेरिएशन की वजह से मौका दिया जाता है तो फिर अक्षर पटेल बाहर बैठेंगे। अगर अक्षर और जडेजा साथ खेलते हैं तो कुलदीप बाहर बैठेंगे। इनके अलावा हर किसी का स्लॉट सेट है। बैटिंग क्रम में देखें तो रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज खेलेंगे।

पहले टेस्ट मैच के लिए टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

पहले टेस्ट मैच के लिए संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल/कुलदीप यादव, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

ब्रैंडन मैक्कुलम बनें तीनों फार्मेट में कोच, जोस बटलर को दिलाएंगे आनंद : मोइन अली

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले हरफनमौला खिलाड़ी मोइन अली का मानना है कि ब्रेंडन मैक्कुलम सफेद गेंद के लिए सही व्यक्ति हैं। मैथ्यू मॉट के बाहर जाने के बाद मैक्कुलम को इस भूमिका के लिए चुना गया था। वह अगले साल से इंग्लैंड के सभी प्रारूपों के कोच का कार्यभार संभालेंगे। मोईन ने इस पर कहा कि मैक्कुलम अगर कोच बनेंगे तो इससे जोस बटलर को मदद मिलेगी। मोईन ने कहा कि जोस के पास बहुत कुछ है - कप्तान, कीपर, हमारा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। मैकुलम उसे थोड़ा और आनंद दिला सकता है। वह जोस बटलर के लिए महत्वपूर्ण है। यह पूछे जाने पर कि अगर मैक्कुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अधिक टेस्ट क्रिकेट खेला होता तो क्या वह सफल होते, मोइन ने जवाब दिया- निश्चित रूप से। एक समय था, जब मैंने पहली बार 2021 में टेस्ट से संन्यास लिया था। मैं जिस तरह से खेल रहा था मुझे आनंद नहीं आ रहा था। यह उतना मजेदार नहीं था। मुझे हमेशा नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने में मजा नहीं आया। मुझे लगा कि मैं अपनी बल्लेबाजी बर्बाद कर रहा हूं। मोईन ने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने सभी प्रारूपों में 6678 रन बनाने के अलावा 366 विकेट भी लिए। वह 2019 वनडे विश्व कप और 2022 टी20 विश्व कप विजेता भी हैं। मोईन ने 2019 वनडे विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन को इंग्लैंड के क्रिकेटर के रूप में अपने समय में अब तक का सर्वश्रेष्ठ कप्तान बताया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं।

बांग्लादेश सीरीज से पहले बोले गिल

आप किसी टीम को कम नहीं आंक सकते

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज दिलचस्प होने वाली है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। चेन्नई मैच के लिए गिल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है जिसमें ऋषभ पंत, केएल राहुल और विराट कोहली की टेस्ट टीम में वापसी हुई है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल पहली बार टीम में दिखाई देंगे। गिल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में बां ग्लादेश ने जिस तरह का क्रिकेट खेला है, खासकर पाकिस्तान में, वह प्रभावशाली रहा है। उनके तेज गेंदबाजों और जिस तरह से उनके मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने दबाव झेला है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए, मेरा मानना है कि यह एक दिलचस्प और रोमांचक मुकाबला होगा।' अब तक 25 टेस्ट मैचों में गिल ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं, पिछले साल उन्होंने नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी की। टेस्ट में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गिल ने कहा, 'अक्सर, जब आप किसी अलग स्थान पर खेलते हैं तो हर कोई आपकी क्षमता जानता है, लेकिन फिर भी आपको खुद को साबित करना होता है।

पंत टेस्ट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर : गांगुली

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सर्वका लि क महान खिलाड़ी बनने की राह पर हैं, लेकिन साथ ही उन्हें छोटे प्रारूपों में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में चोटिल होने के बाद पंत को रविवार को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा। पंत ने इस साल के शुरू में सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की थी और इनमें अच्छा प्रदर्शन किया था। गांगुली ने यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मैं ऋषभ पंत को भारत के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक मानता हूं। उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी से मैं हैरान नहीं हूं। वह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में खेलते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करता रहा तो टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल हो जाएगा। मेरा मानना है कि उसे छोटे प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। वह प्रतिभाशाली है और मुझे यकीन है कि वह जल्द ही ऐसा करने में सफल रहेगा।' मोहम्मद शमी को टखने के ऑपरेशन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया लेकिन गांगुली को विश्वास है कि यह तेज गेंदबाज इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे से पहले पूरी तरह फिट हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं है लेकिन वह जल्द ही वापसी करेगा क्योंकि भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारत का आक्रमण अभी बहुत अच्छा है।' गांगुली ने कहा, 'मैं भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का इंतजार कर रहा हूं। टीम की वहां असली परीक्षा होगी। इसके बाद टीम को जुलाई में इंग्लैंड का दौरा करना है और यह दोनों दौरे बेहद महत्वपूर्ण होंगे। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी तथा शमी की वापसी से तब भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होगा।' बांग्लादेश ने हाल में पाकिस्तान को उसकी धरती पर हराया था लेकिन गांगुली का मानना है कि भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं होता इसलिए बांग्लादेश के खिलाड़ियों को बधाई। लेकिन भारतीय टीम अलग तरह की है तथा वह स्वदेश हो या विदेश दोनों जगह अच्छा प्रदर्शन करती है और उसकी बल्लेबाजी इकाई काफी मजबूत है।' इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश यहां जीत पाएगा।

PCB से बोले गिलेस्पी और कर्स्टन

कप्तानों को जल्दबाजी में बर्खास्त न करें

कराची। पाकिस्तान के सीमित ओवरों और टेस्ट टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने देश के क्रिकेट बोर्ड को सभी प्रारूपों में हालिया खराब प्रदर्शन के बाद जल्दबाजी में कप्तान नहीं बदलने की सलाह दी है। भारत में 2023 में खेले गए एकदिवसीय विश्व कप के राउंड रॉबिन दौर से बाहर होने के बाद बाबर आजम को सीमित ओवरों की कप्तानी से बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह लेने वाले शाहीन शाह अफरीदी को एक खराब श्रृंखला के बाद हटा दिया गया था। इसी तरह टेस्ट में बाबर के इस्तीफा देने के बाद, शान मसूद को कप्तान बनाया गया था, लेकिन बांग्लादेश से टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हार के बाद उन्हें तुरंत बाहर करने की मांग उठ रही है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि मसूद और बाबर की बर्खास्तगी के बारे में हालिया मीडिया अटकलें कयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कप्तानों को बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने यह फैसला दोनों कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है।' सूत्र ने कहा, 'कर्स्टन और गिलेस्पी बहुत स्पष्ट है कि शान और बाबर दोनों को उनकी नेतृत्व क्षमता का आकलन करने से पहले उचित समय दिए जाने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि दोनों कोच कप्तानी में निरंतरता चाहते हैं और उन्होंने यह बात बोर्ड को साफ तौर पर बता दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब बोर्ड इस महीने के अंत में लाहौर में 'क्रिकेट कनेक्शन' नामक एक दिन की कार्यशाला आयोजित करेगा तो कप्तानी या टीम चयन पर चर्चा नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, 'वह कार्यशाला सभी हितधारकों, मुख्य रूप से घरेलू टीम के सभी कोच, चयनकर्ताओं और अनुबंधित खिलाड़ियों के विचारों को सुनने के लिए आयोजित की जा रही है ताकि बोर्ड घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानकों के बीच अंतर को पाटने पर काम कर सके।' सूत्र ने यह भी बताया कि इस कार्यशाला में कर्स्टन भी मौजूद रहेंगे जबकि गिलेस्पी इसमें ऑनलाइन तरीके जुड़ेंगे। पीसीबी प्रमुख से कहा था कि सभी प्रारूपों में टीम से दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने के लिए नीतियों में धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'कार्यशाला मूल रूप से इसलिए आयोजित की जा रही है।

'भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है'

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के करीब आने के साथ ही अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि भारतीय टीम को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराने में बहुत खुशी मिलती है जबकि पिछले कुछ वर्षों में ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2018/19 और 2020/21 में हुई पिछली दो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की है। मेहमान टीम 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले पांच मैचों के टेस्ट दौरे में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेगी, इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेल होंगे। ख्वाजा ने कहा, 'हम पिछले दो सालों से दुनिया की नंबर एक और नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में एक साथ थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा से बहुत बड़ी रही है। मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है।' उन्होंने कहा, 'और ऑस्ट्रेलिया की इतने सालों से विश्व क्रिकेट में हावी टीमों में से एक होने की परंपरा ने उस प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है। मुझे लगता है, हां, भारतीयों के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना हमेशा से ही रहा है। और हाल ही में, आप जानते हैं, भारत और आईपीएल के उदय और बाकी सब कुछ जो हुआ, उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच भी यही हुआ है। खासकर तब से जब से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराया है, जब से वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर आए हैं। इसका मतलब बस थोड़ा और है।' तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड जो 2014/15 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा थे, ने कहा कि वह ट्रॉफी को वापस पाने के लिए उत्सुक हैं। हेजलवुड ने कहा, 'हां, शायद यही सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता है। भारत के खिलाफ खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, और वे यहां की परिस्थितियों के इतने आदी हैं कि उन्हें यह पसंद है। आप जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में चुनौती बहुत बड़ी है। वे अपने शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी कर रहे हैं, चाहे कोई भी खेल रहा हो, उनके शीर्ष छह या सात अविश्वसनीय हैं। मैंने अपनी पहली सीरीज में उनके खिलाफ खेला, जाहिर है और हमने जीत हासिल की, शायद वह आखिरी बार था। बहुत से वही खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं, मुझे लगता है कि मैंने विराट को उस गेम में हराया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारे बहुत से खिलाड़ी, मुझे लगता है, भारत को टेस्ट सीरीज में नहीं हरा पाए हैं। ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ी खेल रहे थे, ऐसे ही लोग।

ऐसे हुई थी मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग की स्थापना

यहां एक साथ की जाती है शिव-पार्वती की पूजा

मल्लिकार्जुन शब्द में मल्लिका का अर्थ है मां पार्वती और अर्जुन का अर्थ है भगवान शिव से हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस ज्योतिर्लिंग के नाम से ही स्पष्ट होता है कि यह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग मां पार्वती और भगवान शिव का है।

जब भी हम किसी शिव मंदिर में दर्शन व पूजन करने के लिए जाते हैं, तो वहां पर सिर्फ भगवान शिव विराजमान होते हैं। जैसा कि हम सभी को मालूम है कि देशभर में 12 ज्योतिर्लिंग है। हर एक ज्योतिर्लिंग की अपनी कहानी और मान्यता है। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे ज्योतिर्लिंग के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां शिवलिंग पर भगवान शिव के साथ मां पार्वती की भी पूजा की जाती है। दरअसल, इस ज्योतिर्लिंग का नाम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग है।

बता दें कि मल्लिकार्जुन शब्द में मल्लिका का अर्थ है मां पार्वती और अर्जुन का अर्थ है भगवान शिव से हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस ज्योतिर्लिंग के नाम से ही स्पष्ट होता है कि यह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग मां पार्वती और भगवान शिव का है। ऐसे में हम आपको इस ज्योतिर्लिंग के बारे में कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि इसकी स्थापना कैसे हुई थी।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग दूसरा ज्योतिर्लिंग है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले श्रीशैलम नामक पर्वत पर स्थित है। यह भगवान शिव को समर्पित प्राचीन और फेमस तीर्थस्थल है।

भगवान गणेश और कार्तिकेय स्वामी की इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना से जुड़ी एक रोचक कथा है।

प्राचीन कहानी

भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय और श्री गणेश हैं। जब कार्तिकेय और गणेश जी विवाह के योग्य हुए। तो मां पार्वती और भगवान शिव ने दोनों की शादी कराने की सोची। ऐसे में भगवान शंकर ने गणेश और कार्तिकेय को बुलाया और उनके विवाह के बारे में बताते हुए शर्त बताई। भगवान शिव ने दोनों को शर्त बताते हुए कहा कि जो भी इस संसार की पहले परिक्रमा करके वापस आएगा, वह पहले उस पुत्र की शादी कराएंगे। यह सुनकर कार्तिकेय स्वामी अपने वाहन मोर पर सवार होकर संसार की परिक्रमा लगाने चले गए।

वहीं भगवान गणेश का वाहन मूषक था, ऐसे में वह सोचने लगे कि वह कार्तिकेय से पहले संसार की परिक्रमा कैसे कर पाएंगे। ऐसे में उन्होंने अपने माता-पिता यानी की भगवान शिव और मां पार्वती की परिक्रमा कर ली। भगवान गणेश ने कहा कि उनके लिए तो शिव-पार्वती ही पूरा संसार हैं। गणेश की बात सुनकर भगवान शिव और मां पार्वती अत्यंत प्रसन्न हुए और गणेश जी का पहले विवाह करा दिया। वहीं जब कार्तिकेय जी वापस आए, तो उन्होंने देखा कि श्रीगणेश का विवाह संपन्न हो चुका है।

जब सारी बात कार्तिकेय को पता चली तो वह अत्यंत क्रोधित हुए और क्रोध में कैलाश छोड़कर क्रौंच पर्वत पर चले गए। यह पर्वत आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। वहीं इस पर्वत को श्रीशैल और श्रीपर्वत के नाम से भी जाना जाता है। भगवान शिव और मां पार्वती ने कार्तिकेय को मनाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानें। जब शिव पार्वती को लगा कि अब कार्तिकेय वापस कैलाश नहीं आएंगे, तो उन्होंने तय किया कि वह अपने पुत्र से मिलने समय-समय पर वहां जाएंगे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसके बाद भगवान शिव और मां पार्वती रूप बदलकर कार्तिकेय स्वामी को देखने पहुंचते थे। जब कार्तिकेय स्वामी को यह पता चला, तो उन्होंने वहां पर एक शिवलिंग स्थापित किया और इसी शिवलिंग में भगवान शिव और मां पार्वती ज्योति रूप में विराजमान हो गए। मान्यता है कि आज भी हर अमावस्या को भगवान शिव और पूर्णिमा पर मां पार्वती कार्तिकेय स्वामी से मिलने श्रीपर्वत पर पहुंचते हैं।

अनंत चतुर्दशी : भगवान विष्णु के सम्मान का त्योहार

अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को मनाई जाएगी। यह त्योहार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष के 14वें दिन पड़ता है। यह दिन गणेश विसर्जन के अनुष्ठान के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों को पानी में विसर्जित करके उन्हें विदाई देते हैं। जानें अनंत चतुर्दशी के उपाय जिन्हें आप कर सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी को अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है, जो ब्रह्मांड के संरक्षक और कई अवतारों वाले देवता भगवान विष्णु के सम्मान में एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। इस पवित्र दिन पर भक्त भगवान विष्णु के अवतारों में से एक, भगवान अनंत की पूजा करते हैं और समृद्धि और प्रतिकूलताओं से सुरक्षा के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं।

अनंत चतुर्दशी तिथि और समय 2024

अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को मनाई जाएगी। यह त्योहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष के 14वें दिन पड़ता है। यह दिन गणेश विसर्जन के अनुष्ठान के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों को पानी में विसर्जित करके उन्हें विदाई देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के उपाय

अनंत नाम का अर्थ अनन्त है जबकि चतुर्दशी का अर्थ चौदहवें दिन से है। इस दिन, पुरुष पारंपरिक रूप से उपवास करते हैं और अपनी बांहों पर 14 गांठों वाला एक पवित्र धागा बांधते हैं, जो भगवान अनंत के सम्मान में उनके द्वारा ली जा रही 14 साल की मन्नत का प्रतीक है। पिछले पापों से छुटकारा पाने और अपने परिवार और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए यह व्रत लगातार 14 वर्षों तक मनाया जाता है। यह अनुष्ठान भक्ति, दृढ़ता और दैवीय आशीर्वाद के माध्यम से खोई हुई समृद्धि वापस पाने की आशा को दर्शाता है।

अनंत चतुर्दशी की शुरुआत कैसे हुई

अनंत चतुर्दशी की उत्पत्ति हिंदू पौराणिक कथाओं में निहित है। ऐसी ही एक कहानी पांडवों के बारे में है, जिन्होंने कौरवों के साथ खेल में अपनी संपत्ति और राज्य खो दिया था, जिसके कारण उन्हें 12 साल का वनवास मिला। इस दौरान, राजा युधिष्ठिर ने अपने दुर्भाग्य को दूर करने के लिए भगवान कृष्ण से सलाह मांगी। भगवान कृष्ण ने उन्हें भगवान अनंत की पूजा करने और व्रत रखने की सलाह दी, और वादा किया कि इससे उन्हें अपना खोया हुआ गौरव और राज्य वापस पाने में मदद मिलेगी।

अनंत चतुर्दशी से जुड़ी एक और पौराणिक कथा ऋषि कौंडिन्य और उनकी पत्नी सुशीला की कहानी है। सुमंत नामक ब्राह्मण की पुत्री सुशीला को अपने पति के साथ रहते हुए भगवान अनंत की पूजा के महत्व के बारे में पता चला। अपनी बांह पर 14 गांठों वाला एक पवित्र धागा बांधने के बाद, उन्होंने कौंडिन्य को इसका अर्थ समझाया, जिन्होंने पहले तो इनकार कर दिया और धागे को आग में फेंक दिया। इस उपेक्षा के परिणामस्वरूप उन्हें अपनी सारी संपत्ति खोनी पड़ी।

अपनी गलती का एहसास होने पर, कौंडिन्य ने भगवान अनंत को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। कई कठिनाइयों को सहने और लगभग हार मानने के बाद, उन्हें एक साधु ने बचाया और एक गुफा में ले गए जहां भगवान विष्णु प्रकट हुए।

भगवान विष्णु ने कौंडिन्य को अपनी खोई हुई संपत्ति वापस पाने के लिए 14 वर्षों तक अनंत चतुर्दशी व्रत करने का निर्देश दिया। कौंडिन्य ने इस व्रत का श्रद्धापूर्वक पालन किया और तभी से यह व्रत अनंत चतुर्दशी के दिन बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है।

थाइलैंड में हैं दुनिया के सबसे ऊंचे गणपति

जानें बौद्ध धर्म बहुल देश में क्यों बने 128 फुट ऊंचे विघ्नहर्ता

देश में गणपति उत्सव की धूम है। इस बीच थाइलैंड की भी चर्चा है। चर्चा की वजह है वो प्रतिमा जिसका रिकॉर्ड कोई तोड़ नहीं पाया है। दुनिया की सबसे ऊंची गणेश प्रतिमा थाइलैंड के ख्लॉन्ग ख्वेन शहर के गणेश इंटनेशनल पार्क में स्थापित की

गई है। 128 फुट ऊंचे तांबे के गणेश अपनी लम्बाई के लिए ही नहीं, मन को मोह लेने वाले रूप के लिए भी जाने जाते हैं। 39 मीटर ऊंची गणपति की प्रतिमा के ऊपरी दाएं हाथ में कटहल है, जो बहुतायत और समृद्धि का प्रतीक है। ऊपरी बाएं हाथ में गन्ना है, जो मिठास और खुशी का प्रतीक है। निचले दाएं हाथ में केला है, जो पोषण का प्रतीक है। निचले बाएं हाथ में आम है, जो दिव्य ज्ञान और बुद्धि से जुड़ा एक फल है।

कब और कैसे बनी यह विशाल प्रतिमा?

थाइलैंड टूरिज्म डायरेक्ट्री के मुताबिक, गणपति प्रतिमा का निर्माण पुलिस जनरल सोमचाई वानिचसेनी के नेतृत्व में चाचोएंगसाओ स्थानीय संघ समूह द्वारा किया गया। इस समूह के अध्यक्ष ने 2009 में इसका निर्माण शुरू किया था। गणपति की यह प्रतिमा 854 अलग-अलग हिस्सों को मिलाकर बनाई गई।

चाचोएंगसाओ के क्लोंग खुआन जिले में 40,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में स्थापित विशाल गणेश प्रतिमा को संरक्षक बताया जाता है। थाइलैंड में माना जाता है कि यह स्थानीय जीवन शैली और अर्थव्यवस्था के साथ सामंजस्यपूर्ण एकता के प्रतीक के तौर पर खड़ी है। यह दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक है।

बौद्ध धर्म के बीच हिन्दू देवता का खास स्थान

थाईलैंड जहां बौद्ध प्रमुख धर्म है, वहां भगवान गणेश को ऐसे देवता के रूप में जाना जाता है जो लोगों को बाधाओं पर काबू पाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का रास्ता दिखाते हैं। थाईलैंड में गणेश पूजा की जड़ें उस समय से जुड़ी हैं जब ब्राह्मणवाद दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी जगह बना रहा था। जैसे-जैसे यह बढ़ा यहां भगवान गणेश ज्ञान और बुद्धि के देवता के रूप में प्रचलित हुए। इस तरह यहां परगणपति की विशाल प्रतिमा न केवल कला का एक शानदार नमूना है, बल्कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया गया। खलोंग खुआन गणेश अंतर्राष्ट्रीय पार्क, जहां यह प्रतिमा स्थापित है, उसकी गिनती थाईलैंड के प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में की जाती है। आध्यात्मिक अभयारण्य के रूप में इस अंतर्राष्ट्रीय पार्क में चाचोएंगसाओ का स्थानीय इतिहास संग्रहालय भी है। जो इसे सांस्कृतिक और विरासत का केंद्र बनाते हैं। यह दूर-दूर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। थाईलैंड दुनिया की सबसे ऊंची गणेश प्रतिमा आस्था, एकता और आशीर्वाद के एक विशाल प्रतीक के रूप में खड़ी है। इसकी भव्यता न केवल मानवीय रचनात्मकता और भक्ति की ऊंचाइयों को दर्शाती है, बल्कि भगवान गणेश की सार्वभौमिक अपील को भी दर्शाती है, जिनका आशीर्वाद सीमाओं और मान्यताओं से परे है।

भगवान गणेश की इस प्रतिमा को देखने भारत से ही नहीं, दुनिया के कई देशों से लोग पहुंचते हैं। तस्वीरें और आशीर्वाद लेना नहीं भूलते।

लोक कल्याण के लिए अर्पित जीवन

महर्षि दधीचि से बड़ा कोई दानी और परोपकारी नहीं हुआ। वे त्याग, परोपकार और दानशीलता की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। महर्षि दधीचि की जयंती 11 सितंबर को मनाई जाती है। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को उनका जन्म ऋषि अथर्वा और माता चित्ति (या शांति) के पुत्र के रूप में हुआ था। एक बार जब महर्षि दधीचि घोर तपस्या में लीन थे, तो उनकी तपस्या के ताप से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा। इससे राजा इंद्र घबरा गए और सिंहासन पर संकट देखकर उन्होंने महर्षि दधीचि की तपस्या को भंग कराने के लिए देवलोक से कामदेव और एक अप्सरा को भेजा। मगर वे असफल रहे। इस पर क्रुद्ध होकर इंद्र ने ऋषि की हत्या के लिए अपनी सेना भेज दी। लेकिन इंद्र की सेना के अस्त्र-शस्त्र भी महर्षि दधीचि के 500 मीटर दूर पहुंचने के पहले ही उनके तप के ताप में पिघल गए। देवताओं के राजा इंद्र की सेना महर्षि दधीचि को मारना तो दूर, उनके बहुत नजदीक भी नहीं जा सकी और वे अपनी समाधि में लीन रहे। इसके कुछ दिनों बाद महाबली असुर वृत्तासुर ने देवलोक में आक्रमण कर दिया। देवता अपनी सारी ताकत लगाने के बाद भी उससे पार नहीं पा सके। जल्द ही देव लोक में त्राहि-त्राहि मच गई। इस पर देवराज इंद्र भगवान विष्णु के पास गए और भगवान विष्णु से विनती की कि वे देवताओं को वृत्तासुर के कोप से बचाएं, वरना समस्त देवताओं का वध हो जाएगा। भगवान विष्णु ने उत्तर दिया, 'उसे तभी मारा जा सकता है, जब मृत्युलोक में तपस्या कर रहे महर्षि दधीचि की हड्डियों से वज्र नामक अस्त्र बनाया जाए और इससे इस महाबली दैत्य पर प्रहार किया जाए।' यह सुनकर देवराज इंद्र बहुत असमंजस में पड़ गए, क्योंकि महर्षि दधीचि के पास कैसे जाएं, जिन्होंने उनकी तपस्या भंग कराने के लिए बहुत अपराध किए थे। लेकिन चाहे देवता हो या आदमी, हर किसी को अपनी ही परवाह सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सारी असहजता और संकोच को भुलाकर देवताओं के राजा इंद्र महर्षि दधीचि से उनकी हड्डियां मांगने के लिए उनके आश्रम पहुंचे। जब वे वहां पहुंचे, महर्षि तपस्या में लीन थे। इंद्र ने महर्षि दधीचि की आंखें खोलने का इंतजार किया। जब तपस्या टूटी, तो उन्होंने देखा कि देवराज इंद्र हाथ जोड़े खड़े हैं। महर्षि ने मुस्कुराते हुए पूछा, 'देवराज इंद्र, मृत्युलोक में आपका किस कारण से आगमन हुआ?' इंद्र ने उन्हें पूरी कहानी सुनाई। यह सुनकर महर्षि दधीचि मुस्कुराते हुए बोले, 'अगर मेरी हड्डियां त्रिलोक की सुरक्षा के काम आएं, तो मेरा इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा?' इसके बाद महर्षि ने आंखें बंद की और योग विद्या से कुछ ही क्षणों में न केवल अपने प्राण त्याग दिए, बल्कि कुछ ही देर में उनकी त्वचा, मांस और मज्जा अलग हो गए। केवल हड्डियां ही बची रहीं। देवराज इंद्र ने इन हड्डियों को देवशिल्पी विश्वकर्मा को सौंपा, जिन्होंने वज्र नामक प्रचंड अस्त्र का निर्माण किया। अंतत: इसी अस्त्र के एक ही प्रहार से वृत्तासुर का अंत हो गया।

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए रावण ने की थी शिव तांडव स्त्रोत की रचना

मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त सच्चे मन से शिव तांडव स्त्रोत का पाठ करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि दशानन ने शिव तांडव स्त्रोत की रचना कब और कैसे की थी।

भगवान शिव के भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए कई तरह से पूजा करते हैं। सोमवार का दिन भोलेनाथ को समर्पित होता है। वहीं भगवान शिव के भक्त उनकी उपासना और पूजा के लिए युगों-युगों से कई स्त्रोत की रचना की है। भोलेनाथ को समर्पित कई ग्रंथों में कई तरह के स्तोत्र की रचनाओं का उल्लेख मिलता है। लेकिन भगवान शिव को सभी रचनाओं में शिव तांडव स्त्रोत सबसे अधिक प्रसन्न होते हैं। इस स्त्रोत की रचना भगवान शिव के प्रिय भक्त रावण द्वारा रचित है।

मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त सच्चे मन से शिव तांडव स्त्रोत का पाठ करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि दशानन ने शिव तांडव स्त्रोत की रचना कब और कैसे की थी।

ऐसे हुई शिव तांडव स्तोत्र की रचना

बता दें कि ऋषि विश्रवा की दो पत्नियां थीं और उनकी दो संतानें थी। जिनमें से एक का नाम कुबेर और दूसरे पुत्र का नाम दशानन था। लेकिन ऋषि विश्रवा ने कुबेर को लंका का सारा राजपाट ले दिया। लेकिन कुबेर लंका का राजपाट छोड़कर हिमाचल में तपस्या करने चले गए। जिसके बाद कुबेर का राजपाट दशानन को मिल गया। लंका का राजपाट मिलने के बाद रावण अहंकारी हो गया। वह अहंकार में आने के कारण ऋषियों और साधुओं पर अत्याचार करने लगा। जब रावण के अत्याचारों का पता कुबेर को चला, तो उन्होंने दशानन को समझाने का प्रयास किया। ऐसे में नाराज होकर दशानन ने कुबेर की नगरी अलकापुरी पर आक्रमण कर दिया।

इस युद्ध में कुबेर को हराकर दशानन ने पुष्पक विमान छीन लिया और लंका ले जाने लगे। तभी रास्ते में कैलाश पर्वत आ गया और पुष्पक विमान रुक गया और आगे नहीं बढ़ पाता। जिसके बाद रावण कैलाश पर्वत को रास्ते से हटाने की कोशिश करने लगा। जिससे पर्वत हिलने लगता है और सभी शिवगण दशानन के पास आते हैं और रावण को ऐसा करने से रोकते हैं। लेकिन हठी रावण नंदी का अपमान कर कैलाश पर्वत को फिर से हटाने लगते हैं।

वहीं भगवान शिव भी रावण की सारे हरकतों को देख रहे थे। ऐसे में रावण के घमंड को तोड़ने के लिए भोलेनाथ अपने पैर के अंगूठे का हल्का सा स्पर्श पर्वत पर करते हैं। जिससे पर्वत का भार इतना अधिक हो जाता है कि रावण उसने नीचे दबने लगा और बुरी तरह से घायल हो गया। ज्यादा दर्द के कारण वह इतनी तेज-तेज से चिल्लाने लगा। उसकी चीत्कार इतनी भीषण थी कि ऐसा लग रहा था कि प्रलय आ जाएगी।

ऐसे में रावण ने भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए शिव की स्तुति करने लगा। तब दशानन ने सामवेद में उल्लेखित भगवान शिव के सभी स्तोत्रों का गान करने लगा। रावण की स्तुति से प्रसन्न होकर भगवान शिव कैलाश पर्वत से अपने पैर का अंगूठा हटा देते हैं और रावण को दर्द मुक्त कर देते हैं। दशानन द्वारा भयंकर दर्द में गाया गया स्त्रोत सामवेद का स्त्रोत है। इसी स्त्रोत को शिव स्त्रोत या रावण स्त्रोत के नाम से जाना जाता है।

वो मंदिर जहां विराजते हैं बिना सूंड वाले गणेश जी, भगवान को चिट्ठी लिखकर कष्ट सुनाते हैं भक्त

हमारी हिंदू संस्कृति में एक से बढ़कर एक भगवान हैं। भक्तजन देवी-देवताओं की आराधना करते हैं और बेहतर जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। मौजूदा समय में गणेश चतुर्थी का त्योहार धूम-धाम से मनाया जा रहा है। ये 10 दिनों तक चलता है। इस दौरान लोग बप्पा की मूर्ती अपने घरों में लाते हैं। उनकी पूजा करते हैं और इसके बाद विसर्जन कर देते हैं। हर साल भारत में इस त्योहार के मौके पर अलग ही उल्लास रहता है। भगवान गणेश का हिंदू धर्म में सर्वोच्च स्थान है। कोई भी काम शुरू करने से पहले बप्पा को याद किया जाता है। देशभर में गणेश भगवान के कई सारे मंदिर हैं। लेकिन कुछ मंदिर ऐसे भी हैं जो दुर्लभ हैं। वे खास महत्व रखते हैं और लाखों श्रद्धालू इन मंदिरों पर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसा ही एक मंदिर है गढ़ गणेश भगवान का मंदिर।

ये मंदिर कई वजहों से खास है। इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति भी काफी यूनिक है। इसके अलावा इस मंदिर में भगवान गणेश की पूजा

करने की विधि भी जरा हटकर ही है। बता रहे हैं भगवान गणेश के उस मंदिर के बारे में जहां पर भक्त अलग-अलग पैंतरे अपनाकर भगवान तक अपने कष्ट पहुंचाते हैं और भगवान उनका निवारण भी करते हैं। तो अगर आप भी इस मंदिर के आस-पास रहते हैं तो इस मंदिर के दर्शन करने जरूर जा सकते हैं।

कौन सा है मंदिर

इस मंदिर को गढ़ गणेश मंदिर के नाम से माना जाता है और ये भगवान गणेश के कुछ सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। ये मंदिर राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित है। ये नाहरगढ़ और जयगढ़ किले के पास में स्थित है। ये मंदिर करीब 300 साल पुराना बताया जाता है। कहा जाता है कि इसे सवाई जय सिंह ने बनवाया था और उन्होंने यहां पर प्रख्यात पंडितों को बुलाकर अश्वमेध यज्ञ भी करवाया था। इसकी चढ़ाई करीब 500 मीटर लंबी है। कुल 365 सीढ़ियां चढ़ने के बाद भक्त, बप्पा का दर्शन इस मंदिर में कर पाते हैं। कहा जाता है कि साल में जितने दिन होते हैं उतनी ही सीढ़ियां चड़कर आप गढ़ गणेश भगवान की झलक देख सकते हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।

क्यों दुर्लभ है ये मंदिर

ये मंदिर कई कारणों से प्रसिद्ध है। इस मंदिर में पत्थर के 2 मूषक स्थापित है। इन दो मूषक के पास भक्त जाते हैं और उनके कानों में अपने जीवन की व्यथा व्यक्त करते हैं। वो चूहे भक्तों की व्यथा को भगवान गणेश तक पहुंचाते हैं जिसके बाद भगवान गणेश भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। इसके अलावा इस मंदिर तक पहुंचने के बीच में एक शिव मंदिर भी पड़ता है। लोग पहले इस मंदिर में रुक कर भगवान शिव और मां पार्वती की आराधना करते हैं और इसके बाद मुख्य मंदिर परिसर में प्रवेश करते हैं। साथ ही एक मान्यता ये भी है इस मंदिर में बप्पा की पूजा करने का विधि-विधान भी काफी अलग है।

भगवान को चिट्ठी लिखते हैं भक्त

इस मंदिर में गणेश भगवान की पूजा के दौरान भक्त उन्हें चिट्ठी लिखकर अपने मन की बात कहते हैं। भक्तों का ऐसा मानना है कि ऐसा करने से भगवान तक उनकी बात पहुंचती है और भगवान अपने भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर आपने 7 बुधवार को लगातार भगवान के दर्शन किए तो आपको मनवांछित फल की भी प्राप्ति होती है और भगवान गणेश भी इस बात से काफी खुश होते है।

अंकिता और निया का डांस देख यूजर्स को आया गुस्सा

गणेश चतुर्थी की धूम इस वक्त हर तरफ देखी जा रही है। हर कोई पूरी श्रद्धा और भाव गणपति बप्पा की पूजा कर रहे हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर बॉलीवुड और टीवी स्टार्स भी बप्पा की भक्ति के रंग में रंगे नजर आए रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने भी बप्पा को अपने घर रखा है। उनके घर बप्पा की पूजा में टीवी जगत के कई सितारे भी पहुंचे, जिसकी कुछ झलकियां अंकिता ने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। लेकिन अंकिता के एक वीडियो को देखकर सोशल मीडिया पर लोग भड़क गए हैं। लोग बोल रहे हैं कि भगवान की भक्ति के नाम पर तमाशा हो रहा है। अंकिता लोखंडे का एक वीडियो सामने आया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों अपने डांस के आगे ये तक भूल गईं कि वो कहां और किस मौके पर डांस कर रही हैं। उनका डांस वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ निया और अंकिता ट्रोलर्स के निशाने पर गईं। गणेश चतुर्थी पर निया शर्मा और अंकिता लोखंडे का डांस देखकर लोगों को काफी अटपटा लग रहा है। यूजर्स ने उनका वीडियो देखकर ये तक कह दिया कि गणेश पूजा के नाम पर यहां भक्ति ही मिसिंग है, बाकी सब कुछ हो रहा है।

हनी सिंह ने साधा गुलजार के गाने पर निशाना

योयो हनी सिंह आज न सिर्फ पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री बल्कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपनी खास जगह बना चुके हैं। उन्होंने अब तक के अपने सिंगिंग करियर में कई सुपरहिट गाने दिए हैं। उनका रैप औ सिंगिंग स्टाइल खूब चर्चा में रहा। हालांकि, हनी सिंह गानों को लेकर अक्सर आपत्ति भी जताई जाती है। कई बार इसको लेकर विवाद भी सामने आए हैं। हनी पर महिलाओं के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगा। ऐसे में अब खुद हनी सिंह ने इस पर खुलकर बात की। उन्होंने खुद के टारगेट किए जाने पर सवाल करते हुए, गुलजार पर निशाना साधा? हनी सिंह ने हाल ही में हनी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को इंटरव्यू दिया।

इस दौरान हनी ने पूछे गए सभी सवालों के जवाब खुलकर दिए। जब उनके गानों को लेकर होने वाले विवादों पर सवाल किया गया तब रैपर ने कह, 'मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मुझे लगता है कि अब मुझे इसका जवाब देना चाहिए।' हनी ने इसके बाद गुलजार के गानों का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके जैसे सम्मानित लेखकों के गीत, 'बीड़ी जलाई ले जिगर से पिया, जिगर में बड़ी आग है' पर कभी भी लोगों ने सवाल क्यों नहीं उठाया। 'जिगर कहां होता है औरत का?' इसके बाद हनी सिंह ने आगे गुलजार के एक और गाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ' उनका एक और गाना है 'जुबान पर लगा नमक इश्क का' और 'चोली के पीछे क्या है'। वह एक महिला की जीभ के बारे में क्यों बात कर रहे हैं...। मैं ये सब सुनके बड़ा हुआ हूं। सिर्फ मैं ही क्यों गलत हूं?' हनी सिंह खुद पर लगे इन सारे आरोपों पर सालों से चुप रहे है। उनका मानना है कि उन्हें हमेशा ही आसान निशाना बनाया गया है। लेकिन अब जब उनसे उनके गानों में महिलाओं को आपत्तिजनक बताने के बारे में पूछा गया, तब हनी ने इस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने जवाब दिया, "ऐसे थोड़े ना होता है"। वो ऐसे गाने गाए तो उन्हें लीजेंड माने गए। हनी ने आगे कहा, 'पर हनी सिंह को ही क्यों गाली दी जाती है और उनको आप लीजेंड बोलते हो? मैं भी बोलता हूं। हम दोहरे व्यक्तित्व वाले आज के दौर में चल रहे हैं। मॉर्डन भी हो रहा है पर पिछड़ा सोच भी हैं।'

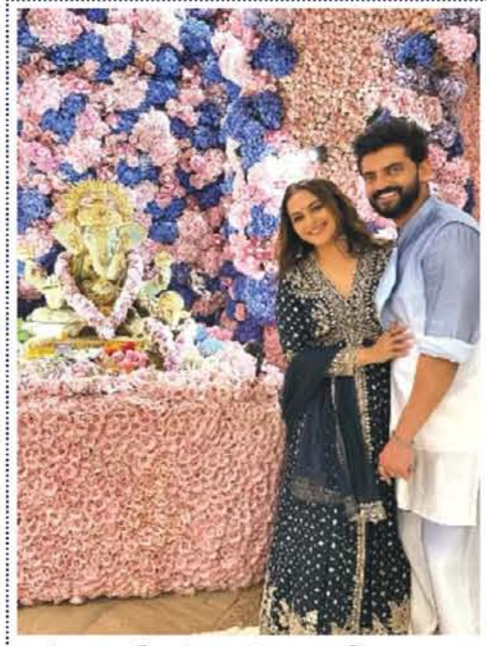

सोनाक्षी ने पति जहीर संग मनाई 'गणेश चतुर्थी'

ट्रोलर्स बोले- 'अल्लाह इन्हें हिदायत दे'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी न्यूली मैरिड लाइफ एंजॉय कर रही हैं। सोनाक्षी ने 23 जून को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से सिविल मैरिज की है। इसके बाद दोनों एक पार्टी दी थी, जिसमें उनके परिवार के अलावा बॉलीवुड के कई स्टार्स शामिल हुए थे। इस शादी की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। सोनाक्षी और जहीर की शादी की वजह से उनके परिवार में अनबन की खबरें भी खूब सुर्खियों में रहीं। अलग धर्म के जहीर इकबाल संग शादी को लेकर सोनाक्षी के सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। यही नहीं, कई ट्रोलर्स ने तो जहीर पर लव जिहाद तक का आरोप लगाया, इससे परेशान होकर दोनों ने शादी की पोस्ट पर कमेंट सेक्शन बंद कर दिया था। वहीं अब शादी के बाद जहीर और सोनाक्षी ने धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रविवार यानी 8 सितंबर गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सोनाक्षी सिन्हा पति जहीर के साथ गणपति बप्पा की आरती करती नजर आ रही हैं। दोनों आरती की थाली पकड़क पूरी श्रद्धा के साथ बप्पा की पूजा करते दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है। वहीं, जहीर ने सोनाक्षी से मैचिंग करता हुआ डबल शेड का नीला और सफेद कुर्ता पजामा पहना है। सोनाक्षी सिन्हा के इस वीडियो पर उनके कैप्शन ने हर किस का ध्यान खींचा। सोनाक्षी ने कैप्शन में लिखा, 'प्यार सम्मान में बदल जाता है, जब एक कपल सच्चे भाव में एक-दूसरे की मान्यताओं का सम्मान करता है। शादी के बाद हमारे पहले गणपति'। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, 'अल्लाह इन्हें हिदायत दें।' एक दूसरा लिखता है, 'अब तो भाभी को भी रोजा रखना पड़ेगा।' ऐसे कई और कमेंट इस पर आ रहे हैं।

सिंघम अगेन में रोहित शेट्टी देंगे सरप्राइज

रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अब मूवी से जुड़ा एक एक्साइटिंग अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि रोहित शेट्टी चाहते हैं कि दर्शकों को धमाकेदार क्लाइमैक्स मिले। इसके लिए एक इंट्रेस्टिंग सीन शूट किया है। फिल्म से जुड़े सोर्सेज ने एक मीडिया हाउस को इस सीन से जुड़ी डिटेल बताई है।

रणवीर सिंह, अजय देवगन, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म सिंघम अगेन इस दीवाली रिलीज होने जा रही है। मिडडे की रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शेट्टी मुंबई के विले पार्ले की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में एक सीन अलग से शूट किया है। पूरी फिल्म शूट हो चुकी है और पोस्ट प्रोडक्शन के बाद इसे दिवाली पर रिलीज किया जाना है। सोर्स के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि रोहित शेट्टी ने क्लाइमैक्स का एक सीन सेकंडरी कास्ट के साथ शूट किया है। यह एक प्ले जैसा सीन होगा जिसमें कई लोग राक्षस के गेटअप में होंगे। एक फोक-बेस्ड ट्विस्ट पर काम चल रहा है।

वसन बाला ने मांगी श्रद्धा के फैंस से माफी

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'जिगरा' को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। बीते दिनों आलिया की 'जिगरा' का टीजर-ट्रेलर रिलीज हुआ। इस फिल्म में अलिया के साथ 'द आर्चीज' एक्टर वेदांग रैना लीड रोल में नजर आ रहे हैं। टीजर काफी जबरदस्त है। इसमें दिखाया गया है कि किसी वजह से वेदांग सलाखों के पीछे चले जाते हैं और आलिया उन्हें बचाने के लिए अपनी जान लगा देती हैं। 'जिगरा' का डायरेक्शन वसन बाला ने किया है। वसन की 'जिगरा' का टीजर देख अब फैंस को फिल्म के रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच अब वसन बाला ने अपने एक पोस्ट को लेकर श्रद्धा कपूर से माफी मांगी है। आइए जानते हैं आखिर ऐसा क्या हुआ?

दरअसल, रविवार 8 सितंबर को 'जिगरा' का टीजर-ट्रेलर रिलीज हुआ। ऐसे में स्त्री 2 एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'जिगरा' का टीजर शेयर किया और इसकी तारीफ भी की। श्रद्धा ने लिखा, 'ये तो थिएटर में भाई के साथ देखना है।' श्रद्धा ने आलिया भट्ट की तारीफ भी की। उन्होंने लिखा, 'क्या कमाल लड़की है आलिया भट्ट... क्या अमेजिंग ट्रेलर है वसन बाला। #Jigra'। श्रद्धा ने जैसे ही ये पोस्ट शेयर किया, वसन बाला उनके फैंस के निशाने पर आ गए। फैंस ने श्रद्धा को याद दिलाया कि वसन ने जब 'स्त्री 2' के लिए पोस्ट शेयर किया था तब उनको उस पोस्ट में टैग नहीं किया था। लेकिन इसके बावजूद श्रद्धा ने 'जिगरा' की तारीफ की। श्रद्धा कपूर के इस पोस्ट के वायरल होने के कुछ ही मिनटों बाद वसन बाला ने उसे री-पोस्ट किया। इसके साथ ही उन्होंने श्रद्धा कपूर से सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर लिखा, 'बहुत बहुत धन्यवाद श्रद्धा।

आमिर खान ने बहन के घर उतारी बप्पा की आरती

गणेश चतुर्थी के सेलिब्रेशन की तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। बॉलीवुड सिलेब्स बड़े में दिखाई दे रहे हैं। इस बीच आमिर खान के कुछ फोटोज वायरल हैं। इसमें वह अपनी बहन निखत के घर पर गणेश चतुर्थी मना रहे हैं। फोटोज देखकर समझ आ रहा है कि गणेशजी की आरती हो रही है। आमिर खान के हाथ में थाल है। साथ में लोग मजीरे वगैरह लिए हैं। आमिर खान अपने कई इंटरव्यू में बोल चुके हैं कि उन्होंने अपने परिवार को वक्त नहीं दिया। इस बात का पछतावा है। अब वह काम से ब्रेक लेकर फैमिली के साथ वक्त बिता रहे हैं। आमिर के गणेश चतुर्थी पूजा की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें उनकी बहन और उनके परिवार के लोग भी दिख रहे हैं। आमिर आरती उतारते दिख रहे हैं। साथ में आमिर और किरण राव का बेटा आजाद भी है। आमिर खान ने ब्लू कुर्ता और ब्लैक पैंट्स पहन रखा है। उनकी बहन निखत ने खूबसूरत सी साड़ी पहनी है। आमिर खान शनिवार को अंबानी की गणेश चतुर्थी पार्टी में भी गए थे। साथ में उनके दोनों बेटे जुनैद और आजाद भी थे। आमिर खान की बहन निखत ने पुणे बेस्ड सीईओ संतोष हेगड़े से शादी की है। निखत ने हाल ही में शाहरख खान की फिल्म पठान में अफगानी महिला की भूमिका में थीं।

दीपिका के लिए रणबीर कपूर ने मांगी थी दुआ

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को बॉलीवुड की कुछ सबसे क्यूट जोड़ियों में गिना जाता है। कई सालों तक चली लव स्टोरी के बाद यह कपल साल 2018 में शादी के बंधन में बंध गया था और अब 2024 में दोनों ने 2 से 3 होने का फैसला किया।

बीते रविवार को दीपिका पादुकोण ने एक प्यारी से बेटी को जन्म दिया। घर में इस नन्हे मेहमान के आने के बाद अब दीपिका पादुकोण मम्मी और रणवीर सिंह पापा बन चुके हैं। दीपका पादुकोण का नाम क्योंकि रणबीर कपूर के साथ भी जुड़ा रहा है, तो ऐसे में 'एनिमल' फेम एक्टर के पुराने बयान भी इस वक्त चर्चा में हैं जो उन्होंने दीपिका पादुकोण या उनके होने वाले बच्चे को लेकर दिए थे। करण जौहर होस्टेड रियलिटी चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 5' में रणवीर सिंह और रणबीर कपूर एक साथ आए थे। पर्दे पर अभी तक इन दोनों ही कलाकारों को एक साथ नहीं देखा गया है लेकिन जब करण जौहर के शो में दोनों साथ आए तो तमाम मुद्दों पर बातें हुईं। शो में करण जौहर ने दीपिका पादुकोण के साथ रही रिलेशनशिप की वजह से रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीच किसी तरह का असहजता को लेकर सवाल किया। जिसका रणबीर कपूर ने जो जवाब दिया वो उनके फैंस को काफी पसंद आया। रणबीर कपूर ने कहा, हर कोई पॉजिटिवली आगे बढ़ चुका है और मुझे लगता है कि कॉफी विद करण को भी आगे बढ़ जाना चाहिए।

उन्नाव में फिल्म 'कजिन ईशा' की शूटिंग

हिंदी फिल्म 'कजिन ईशा' की तकनीकी टीम उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के भगवंतनगर पहुंच गई है! नवंबर में फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले यह टीम अनुसंधान और रेकी संबंधी कार्य करने के लिए मुंबई से उन्नाव तक पहुंची है।

टीम में फिल्म निर्देशक के साथ-साथ सिनेमैटोग्राफर, प्रोडक्शन डिजाइनर, लेखक और क्रिएटिव डायरेक्टर शामिल हैं जो कलाकारों और क्रू के आने से पहले क्षेत्र का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण करेंगे।

कजिन ईशा एक आगामी हिंदी रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्माण श्रेष्ठ प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है।

फिल्म कजिन ईशा की शूटिंग नवंबर में भगवंत नगर, बक्सर घाट, मां चंद्रिका देवी मंदिर, पुरवा रोड और डौंडियाखेड़ा के आसपास होगी।

कज़िन ईशा की स्टारकास्ट में अभिनेता विक्रांत राय शामिल हैं जो काव्यांजलि, मायका और घर की लक्ष्मी बेटियां जैसे कई हिट हिंदी टीवी धारावाहिकों में तथा युवा, भौरी और तत्क्षण जैसी फिल्मों में प्रमुख भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। विक्रांत राय का साथ दे रही है दो खुबसूरत नई नवेली नायिकाएं फ्रेडी फिल्म और गर्ल्स हॉस्टल सीरीज फेम हर्षिका केवलरामानी और गुंजन सक्सेना फिल्म में नज़र आ चुकी ओशी साहू। फिल्म का निर्देशन वैभव वर्मा कर रहे है, जिन्होंने पिछली बार विक्रांत राय अभिनीत हत्याकांड थ्रिलर पुलिस फिल्म तत्क्षण का निर्देशन किया था।

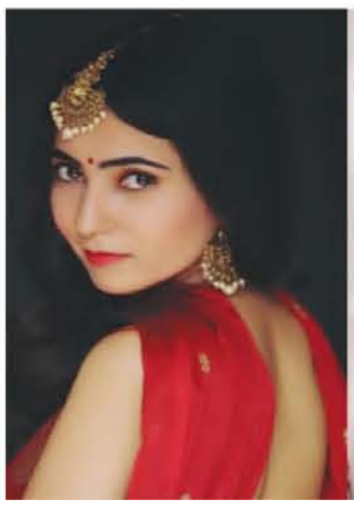

अक्षय ने बर्थडे पर फैंस को दिया खास तोहफा

बॉलीवुड खिलाड़ी कुमार आज यानी 9 सितंबर को अपना 57वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी फैमिली और फैंस उन्हें ढेर सारा प्यार दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर अक्षय को विश करने वालों की लाइन लगी है। ऐसे में आज के इस खास दिन पर अक्षय ने भी अपने फैंस को एक बड़ा और खास तोहफा दिया है। जी हां, अक्षय ने अपने जन्मदिन पर अपनी आने वाली बेहद शानदार फिल्म का एलान कर दिया है।

उनकी इस फिल्म का नाम 'भूत बंगला' है, जो एक हॉरर कॉमेडी है। एक्टर ने फिल्म का मजेदार मोशन पोस्ट शेयर किया है। साथ ही बताया कि उनकी ये फिल्म कब तक रिलीज होगी। अक्षय कुमार ने 9 सितंबर को अपने बर्थडे पर इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी अपकमिंग मूवी 'भूत बंगला' का पोस्टर शेयर किया है। पोस्ट के साथ एक्टर का लुक भी रिवील हो गया है। इस मोशन पोस्टर में आप देख सकते हैं कि अक्षय कुमार नीले रंग के सूट में हैं और उनके कंधे पर एक काली बिल्ली बैठी है। यही नहीं, अक्षय के हाथ में एक दूध से भरी हुई कटोरी है, जिसे वो अपनी जीभ से चाटते दिख रहे हैं। साथ ही बिल्ली की आवाज इसे और भी हॉरर बना रही है। बता दें कि 'भूत बंगला' को प्रियार्दशन बनाने जा रहे हैं। वहीं, पोस्टर में 2025 लिखा है। वहीं अब फिल्म की रिलीज डेट का सभी को इंतजार है। पोस्टर ने फैंस की एक्साइटमेंट का लेवल काफी हाई कर दिया है। अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' का पोस्ट शेयर करते ही चर्चा में आ गया है। इस पर कमेंट कर खिलाड़ी के फैंस पहले तो उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। साथ ही उनकी अपकमिंग मूवी 'भूत बंगला' को लेकर काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स 'भूत बंगला' के पोस्टर में उनके लुक की तारीफ करते दिख रहे हैं।

नोएडा में लिक्ली का उद्घाटन आधुनिक शहरी जीवन का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: योगी

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के प्रति लंबे समय के लिए अपनी प्रतिबद्धता और रिटेल परिदृश्य को पुनर्परिभाषित करने के प्रमाण के रूप में, इंग्का सेंटर्स, जो इंग्का समूह का हिस्सा है (जिसमें आइकिया रिटेल और इंग्का इन्वेस्टमेंट्स भी शामिल हैं), ने नोएडा के केंद्र में स्थित भारत के दूसरे मीटिंग-प्लेस, लिक्ली का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, स्वीडन के राजदूत जान थेसलेफ, इंग्का सेंटर्स के वैश्विक विस्तार और विकास निदेशक सेबेस्टियन हाइल्विंग और आइकिया इंडिया की सीईओ और मुख्य सस्टेनिबिलिटी अधिकारी सुज़ैन पुल्वरर उपस्थित थे।

लगभग 5,500 करोड़ (लगभग 607 मिलियन यूरो) के कुल निवेश के साथ, लिक्ली नोएडा से उत्तर प्रदेश के कई लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए 9,000 से अधिक नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। नोएडा का यह मीटिंग-प्लेस, जो कुछ वर्षों में खुलने वाला है, खुदरा गंतव्यों के एक नए युग का प्रतिनिधित्व करेगा, जिसे लोगों और समुदायों को जीवंत और वहनीयता पर्यावरण में एक दूसरे के निकट लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा में लिक्ली का उद्घाटन उत्तर प्रदेश को आधुनिक शहरी जीवन का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना न केवल नोएडा की संपन्नता की वृद्धि और विकास को दर्शाती है, बल्कि पूरे राज्य में सस्टेनेबल, समुदाय-केंद्रित स्थान बनाने के हमारे दृष्टिकोण से भी मेल खाती है। मुझे विश्वास है कि यह ऐसा प्रमुख गंतव्य बनेगा, जो हमारे नागरिकों की समृद्धि और खुशहाली में योगदान देगा।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने कहा कि हम बड़ी प्रसन्नता से इंग्का सेंटर्स और आइकिया का उत्तर प्रदेश में स्वागत करते हैं। लिक्ली उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए अपने जीवन का आनन्द लेने, काम करने, खरीदारी करने और मिलने-जुलने के लिए एक अनूठा गंतव्य होगा। उत्तर-प्रदेश की निवेशक-अनुकूल नीतियां इस परियोजना को अपनी पूरी क्षमता से साकार होने और राज्य को लाभान्वित करने में मदद करेंगी।

आइकिया स्टोर जैसे प्रमुख आकर्षण के साथ, लिक्ली नोएडा 47,833 वर्ग मीटर में फैला होगा और दिल्ली एनसीआर की सबसे बड़ी रिटेल परियोजनाओं में से एक होगा। यह मीटिंग-प्लेस, नोएडा और दिल्ली एनसीआर में एक प्रमुख स्थल बनने के लिए तैयार है, जो आधुनिक शहरी निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रिटेल, भोजन, आतिथ्य, सह-कार्य स्थान, मनोरंजन और सांस्कृतिक अनुभवों का मिश्रण प्रदान करेगा। इससे 25 मिलियन से अधिक आगंतुकों के आकर्षित होने की उम्मीद है।

आइकिया इंडिया की सीईओ और मुख्य सस्टेनिबिलिटी अधिकारी सुज़ैन पुल्वरर ने कहा कि नोएडा में लिक्ली का अनावरण हमारे भारत में विकास की यात्रा में एक उपलब्धि है। इंग्का सेंटर्स के साथ मिलकर, हम घरेलू साज-सज्जा बाजार को बढ़ाने और कई लोगों के लिए एक अनूठा रिटेल अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देने का लक्ष्य रखते हैं।

हम अपने सुंदर, किफायती, अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए और वहनीयता घरेलू साज-सज्जा उत्पादों और समाधानों से अपने ग्राहकों से मिलने और उन्हें प्रेरित करने के लिए तैयार हैं।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति ने रामलीला मंचन के लिए की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-19 में श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा सनातन धर्म मंदिर में होने वाली रामलीला मंचन के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी सनातन धर्म रामलीला समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। श्री सनातन धर्म रामलीला इस वर्ष 38 वर्ष पूर्ण कर 39वें वर्ष में प्रवेश करेगा।

सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस बार भी रामलीला का भव्य आयोजन करने के लिए श्री सनातन धर्म रामलीला समिति ने इसकी तैयारियां प्रारंभ की। 15 सितंबर 2024 को भूमि पूजन रामलीला मैदान सेक्टर-21 नोएडा में किया जाएगा।

भूमि पूजन में सांसद डा. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, पूर्व विधायक एवं महिला आयोग अध्यक्ष विमला बाथम, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त कैप्टन विकास गुप्ता एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इस संस्था के संरक्षक टी.एन. गोविल, अध्यक्ष टी.एन. चैरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, महासचिव संजय बाली सांसद प्रतिनिधि, कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग आदि बैठक में उपस्थित हुए।

सेक्टर-11 में पेड़ों की छंटाई का अभियान चलाया

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने सेक्टर-11 में पेड़ों की छंटाई की। आरडब्ल्यूए की पहल पर यह अभियान चलाया गया। इस दौरान एल ब्लॉक में पेड़ों की छंटाई के अलावा झाड़ियों की भी सफाई की गई।

इस दौरान उद्यान विभाग के रामकिशन ने टीम के साथ छंटाई-सफाई का अभियान चलाया।

प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों के लिए हैं असीमित अवसर: आयशा बोवे

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इनोवेशन एंड डिजाइन सेंटर द्वारा एक वार्ता सत्र का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व नासा रॉकेट वैज्ञानिक और वर्तमान में स्टेमबोर्ड की संस्थापक और सीईओ सुश्री आयशा बोवे द्वारा 'नेतृत्व, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और टेक स्टार्टअप मेंटरशिप' विषय व्याख्यान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर उन्होनें महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीकें, नेतृत्व, डेटा विश्लेषिकी, अनुसंधान और विकास, नवाचार, स्टेम शिक्षा और टेक स्टार्टअप मेंटरशिप का अध्ययन कर रहे छात्रो को जानकारी प्रदान की। सुश्री बोवे का स्वागत एमिटी साइस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती द्वारा किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय में ''नेतृत्व, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और तकनीकी स्टार्टअप मेंटरशिप'' पर दिया व्याख्यान

पूर्व नासा रॉकेट वैज्ञानिक और एसटीईएम बोर्ड की संस्थापक सुश्री आयशा बोवे ने 'नेतृत्व, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और टेक स्टार्टअप मेंटरशिप' पर जानकारी देते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों के लिए असीमित अवसर हैं। हम में से हर किसी के पास कुछ अनोखे विचार हैं जिन्हें विकसित किया जा सकता है, और किसी को किसी समस्या के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए और फिर उसका समाधान खोजना चाहिए। किसी को कुछ ऐसा बनाना चाहिए जिसकी लोगों को जरूरत हो और जो उन्हें पसंद हो ताकि आपको उत्पाद के विपणन पर बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े, क्योंकि ऐसे उत्पाद की हमेशा उच्च मांग रहेगी। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जुनून जरूरी है, इसलिए ईमानदारी से कड़ी मेहनत करें।

विदित हो कि सुश्री आयशा बोवे एसटीईएम बोर्ड की संस्थापक और सीईओ हैं, जो एक प्रमाणित आर्थिक रूप से वंचित महिला-स्वामित्व वाला लघु व्यवसाय है जो इंजीनियरिंग और विकास, आईटी सेवाओं, कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन और डेटा प्रबंधन और विश्लेषिकी में विशेषज्ञता रखता है।

इस अवसर पर ट्रांसशेसनल रिसर्च एंड एंटरप्रिन्यौरशिप के डीन डा बी के मूर्ती, एमिटी इनोवेशन एंड डिजाइन सेंटर की निदेशक डा सुजाता पांडेय, एमिटी स्कूल ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा मनोज पांडेय उपस्थित थे।

मृतका के प्रेमी पर आत्महत्या करने का लगाया आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर-12/22 में 18 अगस्त को फिरोजाबाद की युवती के आत्महत्या करने मामले में उसके भाई ने मुकदमा दर्ज कराया है। मृतका के प्रेमी पर आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

आरोपित ने शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया था और फिर कहीं और शादी कर ली थी। मृतका के पास से मिले सुसाइड नोट के बाद स्वजन ने शिकायत की है। मृतका नौकरी और पढ़ाई के सिलसिले में नोएडा में रहती थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अभी मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में देश के 13 शिक्षकों को सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान से किया अलंकृत

नोएडा (चेतना मंच)। इंटरनेशनल चैम्बर ऑफ़ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री एवं 'उद्भव'

साहित्यिक संस्था व सर्वपल्ली राधाकृष्णन फ़ोरम द्वारा मारवाह स्टूडियोज़ नोएडा में देश के तेरह शिक्षकों को सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान से अलंकृत किया गया।

इस अवसर पर हिमालय के अप्रतिम आंचलिक कथाकार डॉ.अरुण प्रकाश ढौंडियाल के अंग्रेज़ी कथा-संग्रह 'हॉर्स ड्राइवर' का लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड व भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, फ़िल्म निर्माता-निर्देशक एवं मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष जिन्हें भारतीय संस्कृति के एम्बेसडर के रूप में दुनिया भर में जाना जाता है। डॉ .संदीप मारवाह, राष्ट्रीय स्वयं संघ के पूर्व प्रचारक जगदीश चंद्र ढौंडियाल, अमेरीका सहित दुनिया भर में हिन्दी की सेवा के लिए प्रसिद्ध इंद्रजीत शर्मा तथा वरिष्ठ लेखक एवं पूर्व आई.एफ़.एस. एंबेसडर अमरेंद्र खटुआ की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन 'उद्भव' संस्था के अध्यक्ष कवि डॉ.विवेक गौतम द्वारा किया गया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर सुशील भारती एस.के. गुप्ता, अमोल प्रचेता, वीणा मित्तल, आभा चौधरी, प्रवीण नागर, चंद्रकला ढौंडियाल, एन.के. शर्मा, अनिमेष सिंह, सुबोध शर्मा, तथा रमेश मनवटी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हिन्दी की उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रो. (डा.) मीरा सिन्हा सम्मानित

भारतीय भाषा परिषद ने शिक्षक दिवस पर 20 शिक्षकों को किया सम्मानित

कोलकाता। शिक्षक दिवस के अवसर पर भारतीय भाषा परिषद द्वारा लेखिका, कवियत्री तथा सावित्री गर्ल्स कॉलेज की हिन्दी की प्रोफेसर रही डा. मीरा सिन्हा को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान हिन्दी की उत्कृष्ट सेवा और समाज के बौद्धिक आधार को स्मृद्ध करने के लिए प्रदान किया गया।

भारतीय भाषा परिषद के सभागार में आयोजित एक समारोह में हिन्दी की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 20 अन्य विद्वान शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साहित्यिक पत्रिका 'मुक्तांचल' की संपादक डा. मीरा सिन्हा को प्रशस्ति-पत्र देकर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोलकाता विश्वविद्यालय के हिन्दी के प्रोफेसर रहे लेखक समालोचन व हिन्दी के प्रखर विद्वान डा.शंभुनाथ ने की। इस समारोह में भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष डा. कुसुम खेमानी, मंत्री प्रो. राजश्री शुक्ला तथा सम्मान समारोह के संयोजक प्रो. संजय जायसवाल की उपस्थिति प्रेरणादायक रही।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज के डीन तथा रेक्टर प्रो. दिलीप शाह, डा. अमरनाथ, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के प्रो. हितेन्द्र पटेल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान 'उच्च शिक्षण- वर्तमान दशा और नई दिशाएं' विषय पर एक गोष्ठी की गई। जिसमें हिन्दी के विद्वानों ने अपने सारगर्भित विचार रखे। समारोह का उदघाटन भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष डा. कुसुम खेमानी ने किया।